हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, रविवार, 6 अप्रैल 2025

8 शिक्षकों को निष्ठा पूर्वक पढ़ाई कराने की शपथ...

10 एडमिशन के लिए 16 को निकलेगा ड्रा 6 दिन बाद दाखिला सूची...

SHRI KRISHNA GROUP OF INSTITUTIONS
The Ultimate School for the New Generation
Kurhawata Road, Near Rao Tularam Chowk, MGarh
MAHENDERGARH • SIHMA
Aff. to CBSE, New Delhi
27th YEAR ANNIVERSARY CELEBRATION

नई सोच ★ उच्च शिक्षा ★ बेहतर संस्कार

Admission Open
2025-26
Class Nur. to XII

Choosing The Right School
Is Same Like Giving
The Best Future
To Your Child

Ultimate AC Hostel for Boys Only

Ask us for More
9017 1111 00

Explore our website
www.shrikrishnagroup.org KrishnaSchoolMG

IIT-JEE Mains Qualifiers 2025

99.87 %ile
ARUN
S/o Sh. Surender & Smt. Suman

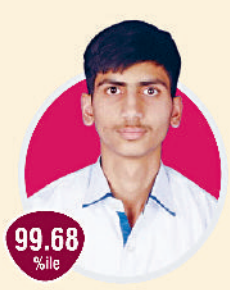
99.68 %ile
VISHESH
S/o Sh. Kuldeep Singh & Smt. Sarita

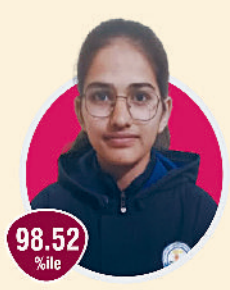
98.52 %ile
SANIA
D/o Sh. Narender & Smt. Laxmi Devi

98.22 %ile
MAHAK
D/o Sh. Birbal & Smt. Munesh

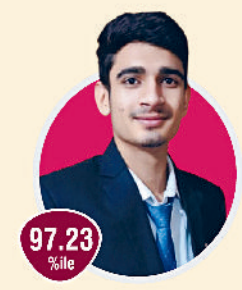
97.23 %ile
SAHIL
S/o Sh. Balwant & Smt. Geeta Devi

96.60 %ile
NIKHIL
S/o Sh. Sunil Kumar & Smt. Manju Kumari

96.55 %ile
LALIT
S/o Sh. Harish Kumar & Smt. Banita

95.69 %ile
KHUSHANT
S/o Sh. Sajjan Singh & Smt. Gayatri Devi

93.13 %ile
AMAN
S/o Sh. Inderjeet & Smt. Kavita Devi

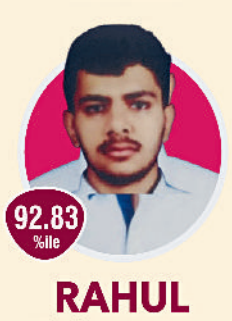
92.83 %ile
RAHUL
S/o Sh. Pawan Kumar & Smt. Neelam

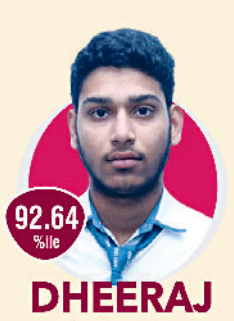
92.64 %ile
DHEERAJ
S/o Sh. Manjeet & Smt. Sunita

89.85 %ile
SHAKSHI
D/o Sh. Ravikant & Smt. Sarmila

89.72 %ile
NIKHIL
S/o Sh. Dinesh Kumar & Smt. Kamlesh

87.10 %ile
NIKHIL
S/o Sh. Ramotar

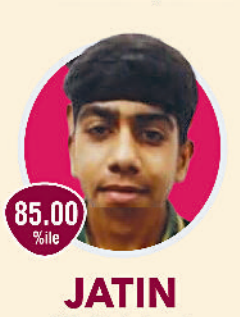
85.00 %ile
JATIN
S/o Sh. Balwant & Smt. Geeta Devi

83.94 %ile
NILESH
S/o Sh. Parveen Kumar & Smt. Shashi Devi

82.09 %ile
HIMANSHU
S/o Sh. Hargyan & Smt. Neelam

80.00 %ile
SUNAINA
D/o Sh. Vijender Kumar & Smt. Priyanka

NEET-2024

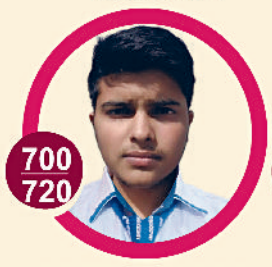
700/720
AJAY KUMAR
S/O RAJESH YADAV

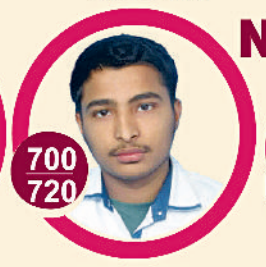
700/720
TANUJ
S/O JITENDER YADAV

686 MARKS
MANISHA
D/O SUBHASH

648 MARKS
DAKSH
S/O AJAY KUMAR

655 MARKS
JAI YADAV
D/O VIJAY SINGH

644 MARKS
KHUSHI
D/O MAHENDER SINGH

637 MARKS
RAJAT SHARMA
S/O RAJESH SHARMA

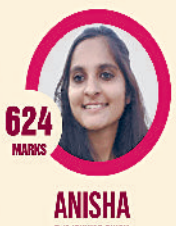
624 MARKS
ANISHA
D/O ISHWAR SINGH

623 MARKS
ASHU PAL
D/O AJAY PAL

620 MARKS
ARPIT
D/O PARSHANT

608 MARKS
MUSKAN
D/O MAHENDER SINGH

606 MARKS
VISAKHA
D/O SURENDER YADAV

557 MARKS
SHIKSHA
D/O RANDHEER SINGH

CA FOUNDATION Qualifier

Palak

Sneha

We believe in results.....

Heartiest Congratulations!

JNV Selection 2024-25 for Class 9th

CBSE Class X Result 2024

Above 80%	97 STUDENTS	Above 85%	68 STUDENTS
Above 90%	33 STUDENTS	Above 95%	02 STUDENTS

CBSE Class XII Result 2024

Above 80%	110 STUDENTS	Above 85%	62 STUDENTS
Above 90%	31 STUDENTS	Above 95%	05 STUDENTS

60+ NEET | 71+ IIT | 08 NDA | 05 NTSE | 03 CA Foundation | 60 SAINIK SCHOOL | 06 MILITARY SCHOOL | 188 OLYMPIAD | 08 Jawahar Navodaya Vidyalaya

Saksham
S/o Mr. Ishwar
Rewasa

Dhara
D/o Mr. Sherpal
Khatod

AARTI
D/o Mr. Sudhir
Deroli Ahir

NAVYA
D/o Mr. Karamveer
Dublana

खबर संक्षेप

नारनौल। बालाजी मंदिर खालड़ा में सकोरे बांधते टीम के सदस्य।

स्वयंसेवी संस्था ने पक्षियों के लिए बांधे सकोरे

नारनौल। युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के सदस्यों ने गर्मी के मौसम को देखते हुए पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए बालाजी मंदिर खालड़ा में जगह जगह पानी व दाने चुग्गे के लिए सकोरे बांधे। जिला अध्यक्ष महिला विंग आरती सैनी ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में पक्षियों के पीने और नहाने के लिए पानी का प्रबंध करने के लिए सबसे पहले एक उपयुक्त बर्तन को चुनें। जिसे आसानी से साफ किया जा सके।

चौधरी देवीलाल को श्रद्धांजलि देंगे आज

नारनौल। देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री स्वर्गीय जननायक चौ. देवीलाल की छह अप्रैल को पुण्यतिथि है। जिला प्रवक्ता नवनीत ढिल्लो ने बताया कि इस अवसर पर इंडियन नेशनल लोकदल जिला के कार्यकर्ता पूर्व उप प्रधानमंत्री जननायक स्व. चौधरी देवीलाल की 24वीं पुण्यतिथि पर निजामपुर चौक पर व महेंद्रगढ़ में चौधरी देवीलाल पार्क में सुबह नौ बजे हवन कर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देंगे।

सिटी किड्ज वर्ल्ड स्कूल में मनाया दुर्गाष्टमी का पर्व

महेंद्रगढ़। सिटी किड्ज वर्ल्ड स्कूल में दुर्गाष्टमी का पावन पर्व मनाया गया, जिसमें मां भगवती की महिमा का गुणगान करते हुए कन्या पूजन कर तिलक लगाते हुए उनसे आशीर्वाद ग्रहण किया। दुर्गाष्टमी पर्व मनाने का मुख्य उद्देश्य मां दुर्गा की शक्ति, बुद्धि, सामर्थ्य, खुशहाली एवं संपन्नता स्वरूपों से विद्यार्थियों कोअवगत करवाना था। प्राचार्या विनय यादव ने विद्यार्थियों को मां भगवती की महिमा से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने कविता, भाषण एवं अपने मनोभावों के माध्यम से मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का वर्णन किया जिसमें मां को आदि स्वरूपा बताया गया। मैनेजिंग डायरेक्टर नितिन ने कहा कि इस दिन सिद्धिदात्री देवी मां दुर्गा की पूजा की जाती है।

सनराइज स्कूल में हवन करके किया सत्र का शुभारंभ

शिक्षकों को निष्ठा पूर्वक पढ़ाई कराने की शपथ दिलाई

स्कूल कमेटी का धार्मिक रीति रिवाजों से गहरा संबंध है, इसलिए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ करने से पहले सुंदरकांड का पाठ कराया गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। सुंदरकांड का पाठ करते हुए सनराइज स्कूल स्टाफ व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सनराइज सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सुंदरकांड का पाठ तथा हवन का आयोजन किया। धार्मिक अनुष्ठान में संस्था के चेयरमैन पूर्णमल शर्मा व उनकी धर्मपत्नि माया देवी बतौर यजमान मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एमडी विनोद शर्मा ने की। इस दौरान विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और बेहतर स्वास्थ्य की मन्नतें मांगी गई और शिक्षकों को निष्ठा पूर्वक पढ़ाई कराने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में शुभ काम शुरू करने से पहले हवन पूजन करने की परंपरा बनी हुई है। स्कूल कमेटी का धार्मिक रीति रिवाजों से गहरा संबंध है, इसलिए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ करने से पहले सुंदरकांड का पाठ कराया गया। हवन में आहुति डालकर विद्यार्थियों में सकारात्मक विचारों के समावेश और संस्कारों का उद्गम मांगा है। उन्होंने कहा कि रामायण ग्रंथ का आधार सामाजिक मर्यादाओं पर टिका हुआ है। जिसके अध्यन से युवाओं को धर्म की रक्षा करने का संदेश मिलता रहेगा।

माता पिता व गुरुओं का आज्ञाकारी होने की प्रेरणा तथा भ्रात प्रेम का संचार हो सकेगा, लेकिन बीते 15 से 20 साल के दौरान युवाओं में पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव बढ़ गया। जिस कारण समाज में संगीन अपराध और सामाजिक रिश्तों को खतरा उत्पन्न हो गया। परोपकार का भावना खंडित होने के कारण लोगों का भाईचारा बिगड़ गया और कोर्ट केसों में संलिप्त होने लगे हैं। समाधान के लिए शिक्षण संस्थाओं में ही सामाजिक संस्कारों की नींव को मजबूत करना अनिवार्य है। योग और धार्मिक ग्रंथों की मदद से स्वास्थ्य तथा चरित्र की रक्षा संभव हो पाएगी। इसके बाद स्कूल में सुंदरकांड के पाठ का शुभारंभ किया। पंडित गिरजा शंकर ने भगवान श्रीराम की मर्यादों से अवगत कराया। कहा कि श्रीराम को वनवास का पता था, लेकिन उन्होंने समाज को आपसी बंधनों में जोड़े रखने के लिए राजा बनना ठुकरा दिया था। इस मौके पर प्राचार्य महेंद्र शर्मा, निदेशक बिरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

7 से शुरू होगा कम्प्यूटरीकृत अंकाउटिंग व सिलाई प्रशिक्षण

नारनौल। पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान नसीबपुर में आगामी सात अप्रैल से कम्प्यूटरीकृत अंकाउटिंग व सिलाई आदि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए संस्थान के निदेशक एचआर सभरवाल ने बताया कि इसमें कोई भी बेरोजगार महिला व पुरुष, जिनकी आयु 18 से 45 साल के बीच है, वह प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रार्थी किसी भी कार्य दिवस पर संस्थान में आकर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए प्रार्थी आधार कार्ड, राशन कार्ड, परिवार पहचान पत्र की छायाप्रति व चार पासपोर्ट साईज फोटो साथ लेकर आएं। उन्होंने बताया कि सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्थान की ओर से निःशुल्क करवाए जाते हैं तथा संस्थान की ओर से प्रशिक्षणार्थियों की भोजन, ट्रेनिंग मैटीरियल, स्टेशनरी आदि की व्यवस्था भी निःशुल्क की जाती है। सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 70 प्रतिशत सीटें बीपीएल राशन कार्ड धारकों के लिए आरक्षित है। उन्होंने बताया कि दाखिला पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाता है। प्रशिक्षण अवधि के दौरान ही प्रशिक्षणार्थियों का ऋण आवेदन पत्र संबंधित बैंकों में भेज दिए जाते हैं। संस्थान की ओर से प्रशिक्षणार्थियों को ट्रेनिंग के माध्यम से सरकार की ओर से चलाए जाने वाले विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है तथा विभिन्न योजनाओं में मिलने वाली अनुदान राशि (सब्सिडी) के बारे में बताया जाता है। इसके साथ साथ बैंकों के माध्यम से चलाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी जाती है।

नारनौल। नशा मुक्ति की शपथ दिलाते इंचार्ज धर्मसिंह। फोटो : हरिभूमि

जैलाफ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जैलाफ में प्राचार्य लोकेश कुमार के मार्गदर्शन व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी धर्मसिंह के नेतृत्व में साइक्लोथोन नशा मुक्त रैली को सफल बनाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम स्वयंसेवकों व युवाओं को जीवन में नशा न करने के लिए शपथ दिलवाई गई तथा प्रदेश सरकार की ओर से राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री की ओर से चलाई जा रही नशा मुक्ति महिम के अंतर्गत साइक्लोथोन रैली में अधिक से अधिक युवाओं व स्वयंसेवकों को शामिल होने के लिए गांव में जागरूकता रैली का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर धर्मसिंह ने बताया कि साइक्लोथोन रैली का शुभारंभ पांच अप्रैल को हिसार जिले से किया गया। यह साइक्लोट्रॉन रैली सात अप्रैल को जिला महेंद्रगढ़ में प्रवेश करेगी व 27अप्रैल को इसका समापन सिरसा जिले में होगा। इस साइक्लोथोन रैली का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के प्रति युवाओं को जागरूक करना व प्रदेश को नशा मुक्त बनाना है। उन्होंने अधिक से अधिक युवाओं व लोगों को इस रैली से जुड़ने के लिए पोर्टल पर पंजीकरण करवाने की अपील की। प्राचार्य ने कहा कि नशा मृत्यु का द्वार है। नशे की प्रवृत्ति में फंसकर युवा अपना जीवन बर्बाद कर रहे है, इसलिए युवाओं को नशे से दूर रहना है।

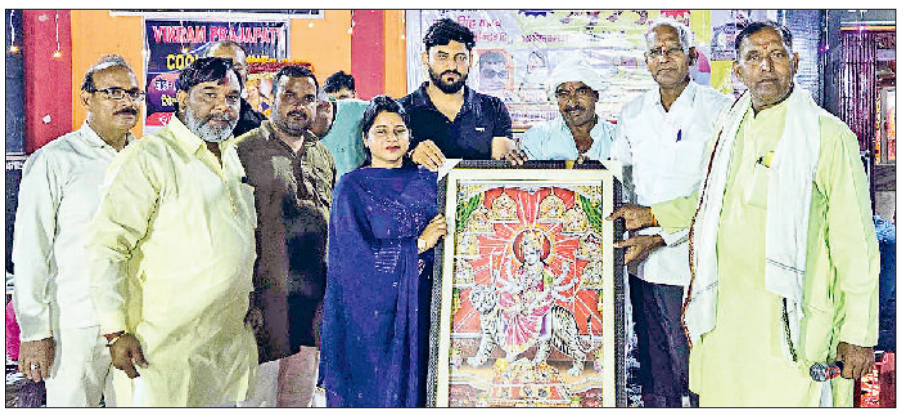

महेंद्रगढ़। विधायक को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

मां दुर्गा देवी मंदिर में जागरण आयोजित

महेंद्रगढ़। गांव भांडोर ऊंची में मां दुर्गा देवी मंदिर में हर वर्ष नवरात्र में विशाल मेले और जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव रहे। विधायक कंवर सिंह यादव ने मां दुर्गा मंदिर में मत्था टेककर दर्शन किए। नवरात्र में दुर्गा मंदिरों के दर्शन का महत्व और बढ़ जाता है। भारत में कई प्राचीन और प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर हैं, जहां नवरात्र के दौरान भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। रजनी शर्मा एंड पार्टी ने जागरण में अपनी प्रस्तुति दी। गायक कलाकारों ने भजनों से माहौल भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में मत्था टेककर मन्नतें मांगी। मंदिर में हर नवरात्र पर मेला लगता है। मंदिर कमेटी ने विधायक के सामने मंदिर प्रागंण में टीन शेड और टायल लगाने की मांग रखी। विधायक ने जल्द ही इस काम को पूरा करवाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर भाजपा पाली मंडल की अध्यक्षा सरपंच दीपिका, भांडोर ऊंची सरपंच प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंह, कृष्ण ठेकेदार, प्रवीण कुमार माजरा खुर्द, सुनील अग्रवाल व ऋषिपाल तंवर मौजूद रहे।

आईआईटी के लिए 51 सदस्यों की कमेटी गठित जल्द ही सीएम से करेंगे मुलाकातः प्रो. शर्मा

- जयराम सदन में आयोजित पत्रकारवार्ता में पूर्व मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने दी जानकारी, महेंद्रगढ़ जिला आईआईटी के लिए उपयुक्त स्थान
- गठित की गई कमेटी में सांसद, विधायक व पूर्व मंत्री सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। पत्रकारवार्ता को संबोधित करते प्रो. रामबिलास शर्मा। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़ जिला में केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ लगते पाली व खुड़ाना गांव में 300 एकड़ आईआईटी के लिए जमीन उपलब्ध है। पानी एवं सड़क मार्ग की कनेक्टिविटी भी उपयुक्त है। आईआईटी के लिए यही जगह महेंद्रगढ़ जिले में सबसे उपयुक्त है। उक्त बातें प्रो. रामबिलास शर्मा ने जयराम सदन में आयोजित पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए कहीं। प्रो. रामबिलास शर्मा ने कहा कि जिले के लोग आईआईटी के लिए एकजुट है। महेंद्रगढ़ में आईआईटी स्थापित कराने के लिए 51 सदस्यों की कमेटी का गठन कर लिया गया है। जिसमें सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह व विधायक कंवर सिंह यादव, जिला प्रमुख डॉ. राकेश यादव, जिला महामंत्री अमित मिश्रा सहित विभिन्न गांवों के सरपंच व सामाजिक संगठनों पदाधिकारी शामिल है। प्रदेश के मुख्यमंत्री से बातचीत हो गई है। जल्द ही कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट ठाकुर मदन सिंह शेखावट के नेतृत्व में सभी सदस्य सीएम से मुलाकात कर अपना पक्ष रखेंगे। प्रो. रामबिलास शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा हरियाणा प्रदेश को एक आईआईटी देने का निर्णय किया है। इस निर्णय के तहत महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गांव पाली या खुडाना में आईआईटी की जगह सबसे उपयुक्त है। दोनों गांवों की पंचायत फ्री में जमीन देने को तैयार है। आईएमटी खुडाना का उनका सपना अभी अधूरा है, इस सपने को पूरा करने के लिए भी वे अपने जीवन की बाजी लगा देंगे।

संकाय कला वर्ग में यदुवंशी कॉलेज की छात्रा गार्गी प्रथम

गार्गी | दीक्षा | भूमिका | जीतेश | सोनू

नारनौल। यदुवंशी डिग्री कॉलेज के संकाय कला वर्ग में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा गार्गी पुत्री नरेन्द्र ने प्रथम, दीक्षा पुत्री राजेश कुमार ने दूसरा, भूमिका पुत्री नवीन कुमार ने तीसरा, जीतेश पुत्र ललित कुमार ने चौथा व सोनू पुत्री अनिल कुमार ने पांचवां स्थान कॉलेज स्तर पर इंदिरा गांधी विश्व विद्यालय मीरपुर रेवाड़ी से घोषित परीक्षा परिणाम में स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य बजरंग लाल ने बताया कि अभी तक लगभग सभी संकायों के रिजल्ट्स आ चुके हैं। जिनमें हमारे विद्यार्थियों ने इंदिरा गांधी विश्व विद्यालय व कॉलेज स्तर पर श्रेष्ठ पोजीशन प्राप्त कर हम सबको गौरवान्वित किया।

उपप्राचार्या सोनल यादव ने कहा कि विद्यार्थी कॉलेज अनुशासन के सभी नियमों की पालना करते हैं। जिसके कारण वह आदर्श विद्यार्थी की श्रेणी में आते हैं। संस्था डायरेक्टर सुरेश यादव ने कुशल नेतृत्व के लिए प्राचार्य व उपप्राचार्या को धन्यवाद दिया। डा. प्रदीप यादव ने अपने विचारों को व्यक्त करते हुए कहा कि कॉलेज स्तर पर प्रत्येक सांस्कृतिक गतिविधियों के कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते है। जिसके आधार पर विद्यार्थियों को मंच पर आने का मौका मिलता है। जिससे विद्यार्थियों में श्रेष्ठ गुणों का विकास होता है। यदुवंशी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने सफल विद्यार्थियों को बधाई दी।

नारनौल। गोवंश को हरी सब्जी खिलाते सेवक। फोटो : हरिभूमि

गोसेवा से अधिक पुण्य कर्म अन्य कोई नहीं: मुकेश मित्तल

नारनौल। रोटरी क्लब सिटी के तत्वावधान में रोटेरियन मुकेश मित्तल एडवोकेट की ओर से श्री गोपाल गोशाला में गोवंश के लिए हरी सब्जी की सवामणी लगाई गई। रोटरी प्रधान विनोद चौधरी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। इसलिए हम सभी को अपने किसी भी विशेष दिवस पर गोमाता की सेवा में सवामणी अवश्य लगानी चाहिए। मुकेश मित्तल एडवोकेट ने कहा कि बेजुबान गोवंश की सेवा करने से अधिक पुण्य का कर्म कोई नहीं है। प्रोजेक्ट इंचार्ज नवीन गुप्ता ने बताया कि रोटरी क्लब की ओर से गोमाता के लिए सवामणी की मुहिम चलाई जा रही है। इस मौके पर विनोद चौधरी, पवन यादव, विनय मित्तल, नवीन गुप्ता, संदीप शुक्ला, पवन गुप्ता, सुरेश यादव, राकेश गोयल, नीरज मेहता, मुकेश कुमारी, पीयूष मित्तल, प्रथम गुप्ता, विभु अग्रवाल, एडवोकेट मंदीप यादव आदि मौजूद थे।

नारनौल मंडी में पहुंचे 3426 क्विंटल सरसों

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। अनाज मंडी में सूखाने के लिए बिखरी पड़ी सरसों। फोटो : हरिभूमि

अनाज मंडी में दिनोंदिन सरसों की आवक बढ़ने लगी है। शुक्रवार को जहां जल महल के नजदीक बनी अनाज मंडी में 171 किसान सरसों लेकर पहुंचे थे, वहीं शनिवार को 198 किसानों के गेट पास काटे गए। अब तक कुल 847 गेट पास काटे जा चुके हैं। शनिवार को इस मंडी में 3426 क्विंटल सरसों की आवक रही, जबकि अब तक लगभग 18348 क्विंटल सरसों की आवक हो चुकी है। शनिवार को स्टेट वेयर हाउस द्वारा 3546 क्विंटल सरसों की खरीद की गई। अब तक 17377.50 क्विंटल सरसों की खरीद हो चुकी है। शनिवार को जहां 5787 बैग लिफ्टिंग की गई, वहीं अब तक कुल 26224 बैग सरसों का उठान हो चुका है। स्टेट वेयर हाउस की मैनेजर रुबी हुड्डा ने बताया कि किसान सरसों को अच्छी तरह सूखाकर ही मंडी लाएं, जिस सरसों में 8 प्रतिशत से अधिक नमी पाई जाएगी, उसे नहीं खरीदा जाएगा। ऐसे में किसानों को परेशानी से बचने के लिए मंडी आने से पहले ही अच्छी तरह से सरसों को सूखा लेना चाहिए तथा उसे साफ-सुथरी करके लाना चाहिए।

गुरु से छल और मित्र से चोरी करने पर व्यक्ति बन सकता है अंधा या कोढ़ी: महंत गोलागिरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। हवन पर बोलते महंत गोलागिरी महाराज। फोटो : हरिभूमि

महंत गोलागिरी महाराज ने नांगल चौधरी सब डिवीजन के वार्ड नंबर एक में स्थित यादव धर्मशाला में चल रहे नौ दिवसीय पांच कुण्डीय महायज्ञ के पांचवें दिन धर्म के प्रति संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऊपर वाला सब देखता है और हमें वैसा ही फल देता है। उन्होंने एक दोहा गाकर बताया कि गुरु से छल और मित्र से चोरी करने से व्यक्ति अंधा या कोढ़ी बन सकता है।

इस अवसर पर महंत गोलागिरी महाराज ने धर्म का प्रचार करते हुए कहा कि यज्ञ में आहुति देने से व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि आती है। यज्ञ में महिला और पुरुष यानी पति-पत्नी के जोड़े बनाकर बैठाया जाता है, जिससे वे अपने और अपने परिवार की सुख-समृद्धि के लिए आहुति देते हैं। इस मौके पर राजेंद्र यादव, सूबेदार बिशंभर दयाल, पूर्व सरपंच निहाल सिंह, रामशरण यादव, ठाकुर योगेंद्र सिंह, धर्मेंद्र उर्फ मोटा आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

गोलागिरी महाराज के दोहे का अर्थ

महंत गोलागिरी महाराज के दोहे का अर्थ है कि गुरु और मित्र के साथ विश्वासघात करने से व्यक्ति को नकारात्मक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। यह दोहा हमें सिखाता है कि हमें अपने गुरु और मित्रों के साथ ईमानदार और वफादार रहना चाहिए।

यज्ञ का महत्व

यज्ञ एक धार्मिक अनुष्ठान है जिसमें अग्नि में आहुति दी जाती है। यह अनुष्ठान व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि और शांति लाने के लिए किया जाता है। यज्ञ में आहुति देने से व्यक्ति के पाप धुल जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

सिद्ध पीठ मां भूरा भवानी मंदिर सिसोठ धाम में जागरण का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

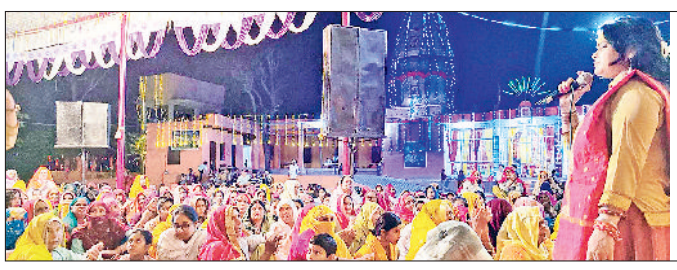

महेंद्रगढ़। जागरण में माता की महिमा का गुणगान करती भजन गायक। फोटो : हरिभूमि

सिद्ध पीठ मां भूरा भवानी मंदिर सिसोठ धाम में सप्तमी नवरात्रि पर माता का जागरण आयोजित हुआ। जागरण में धीरज खुराना श्याम कृपा मंडल द्वारा भजन गायक कलाकार तनु मंजू ठाकुर गुरूग्राम, रोहन सैनी, कथा वाचक सोनू पागल ने मां भवानी की महिमा का गुणगान कर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। जागरण के अंत में कथा वाचक सोनू पागल ने तारा रानी की कथा सुनाई, जिसको सभी श्रद्धालुओं ने बड़ी ध्यानपूर्वक सुनी।

मंदिर महंत शक्तिनाथ महाराज, मंदिर कमेटी प्रधान संदीप यादव, उपप्रधान विक्रम सिंह, सचिव मास्टर अनिल यादव, सरपंच वीरेंद्र कुमार विक्की, कमेटी सदस्य मुकेश चौहान ने भजन गायक कलाकारों को माता रानी का पटका पहनाकर सम्मानित किया। इनके साथ-साथ कोलकता से आए सत्यनारायण सुहासड़ियां व माया सुहासड़ियां को भी माता रानी का पटका पहनाकर सम्मानित किया।

माया सुहासड़ियां ने कहा कि माता भूरा भवानी के प्रति क्षेत्र के लोगों में गहरी आस्था है। कमेटी कोषाध्यक्ष परमजीत ने बताया कि छह अप्रैल को माता का मेला व भंडारे का आयोजन होगा। मेले में खेलों का आयोजन होगा, जिसमें वॉलीबाल में प्रथम इनाम 11 हजार व द्वितीय स्थान पर रहने वाली टीम को 71 सौ रुपये इनाम दिया जाएगा। इसके अलावा 51 से शुरू होकर 51 सौ रुपये तक की कुश्ती करवाई जाएंगी। कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव खेलों में विजेता टीमों को इनाम वितरण करेंगे। पूर्व प्रधान एवं संरक्षक प्रेमचंद सिसोठिया, कमेटी सदस्य रणधीर सिंह व ललित कुमार ने बताया कि मंदिर में आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए भंडारे के प्रसाद की व्यवस्था की गई है।

खबर संक्षेप

मिर्जापुर बाछौद में मेला व खेल प्रतियोगिताएं आज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव मिर्जापुर बाछौद में छह अप्रैल को हनुमान जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा व बाबा ठाडेसर महाराज का मेला तथा खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। जानकारी देते हुए बाबा ठाडेसर कमेटी के प्रधान चंद्रमण शर्मा ने बताया कि मेले में नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में प्रथम विजेता टीम को 51 हजार, द्वितीय 31 हजार, तृतीय 6100 रुपये तथा चौथे स्थान प्राप्त करने वाली विजेता टीम को 5100 रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

बाबा रामसुख दास महाराज मेला आज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव कांटी खेड़ी में बाबा रामसुख दास महाराज मेला छह अप्रैल रामनवमी को लगाया जा रहा है। जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि बाबा रामसुख दास के मेला में विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं होंगी। इस मेले में बच्चों की 100 मीटर दौड़ से लेकर 1500 मीटर तक की दौड़ कार्रवाई जाएंगे। रस्साकसी में प्रथम इनाम 5100 रुपये एवं द्वितीय इनाम 3100 दिया जाएगा। कुश्ती 51 रुपये से लेकर 51 हजार तक करवाई जाएगी। मेले में बुजुर्गों की दौड़ विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। मेले में भंडारा बिमला देवी पत्नी स्वर्गीय देशराज सिंह चौहान द्वारा लगाया जाएगा।

अभी भी संबंधित विभाग नहीं दे रहे ध्यान

नहर के पुल पर संकेतक बोर्ड नहीं होने पर हादसों की आशंका

रामपुरा, हुडीना, खामपुरा, सिहमा के किसान अपने खेतों में काम करने के बाद सायं को घर आते हैं तो उस नहर के पुल होकर गुजरना पड़ता है।

नीरज कुमार ▶▶ मंडी अटेली

मंडी अटेली। सिहमा से रामपुरा सड़क मार्ग पर बना पुल। फोटो: हरिभूमि

सिहमा से हुडीना रामपुरा सड़क मार्ग पर बने नहर के पुल पर संकेतक बोर्ड न होने पर हादसों का अंदेशा बना हुआ है। इस सड़क मार्ग पर प्रतिदिन हजारों वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर रामपुरा, हुडीना, खामपुरा, सिहमा के किसान अपने खेतों में काम करने के बाद सायं को घर आते हैं तो उस नहर के पुल होकर गुजरना पड़ता है। इस पुल के समीप सड़क मार्ग में हल्का सा घुमाव है। इस घुमाव से यदि वाहन चालक भटक कर सड़क की बाईं ओर मुड़ जाए तो सीधा नहर में जा गिरेगा। इस सड़क मार्ग पर हर रोज निकलने वाले वाहन चालकों को तो पुल के बारे में जानकारी है, लेकिन रात्रि के समय बाहर से आने वालों को पुल पर कोई संकेतक न लगे होने से उनकी जान खतरे में पड़ रही है। ट्रक चालक भी यहां से गुजरने लगे हैं। ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। क्षेत्र के गांव के ग्रामीणों ने नहर विभाग से इस पुल पर संकेतक बोर्ड लगाने की मांग की है।

कई बार हादसे से बचा

ग्रामीण कैलाश चंद ने बताया कि वह प्रतिदिन अपने टेपो से सब्जी बेचने का कार्य करता है। वह प्रतिदिन सुबह चार बजे नारनौल सब्जी मंडी में सब्जी खरीदने जाता है। कहीं खराब सड़के, डैमेज पुल आए दिन लोगों के जान की दुश्मन बनी हैं। चार माह पूर्व सिहमा से हुडीना रामपुरा सड़क मार्ग इस पुल पर रात्रि के समय सर्दियों में कोहरा ज्यादा होने के चलते नहर गिरने से बाल–बाल बचा था। नहर विभाग जल्द से जल्द इस पर संकेतक बोर्ड लगाए, ताकि हादसों का भय खत्म हो जाए।

-कैलाश चंद

खामपुरा की सरपंच ने उठाई मांग

खामपुरा गांव की सरपंच प्रियंका यादव ने बताया इस नहर के पुल पर संकेतक बोर्ड नहीं लगाया हुआ है। इस पुल से उनके गांव के प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण अपने वाहनों से गुजरते हैं। वहीं इस सड़क मार्ग से अनजान व्यक्ति भी नारनौल की तरफ आते-जाते हैं, जिनके लिए हादसे होने की आशंका बनी रहती है, लेकिन संबंधित विभाग अभी भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। संबंधित विभाग जल्द ही उसे पुल पर संकेतक बोर्ड लगाए, ताकि वाहन चालक सुविधाजनक सफर कर सके।

-खामपुरा सरपंच प्रियंका यादव

संकेतक बोर्ड की बेहद जरूरत

युवा सत्यप्रकाश ने बताया कि वह इस सड़क मार्ग से प्रतिदिन कार्य करने के लिए एक निजी में अस्पताल जाता है। सायं के जब वह इस पुल से गुजरता है तो उसको खुद लगता है कि यहां पर संकेतक बोर्ड होना चाहिए। क्योंकि यह सड़क मार्ग से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं। संबंधित विभाग ने अगर इस पर संकेतक बोर्ड नहीं लगाया तो कभी भी हादसा हो सकता है।

क्या कहते है जेई

नहर विभाग की जेई गौरव ने बताया कि हमने एस्टीमेट बनाया जा हुआ था। बजट नहीं होने के कारण स्वीकृति नहीं मिली। क्योंकि अंतिम वर्ष चला हुआ था। अब बजट आने पर संकेतक बोर्ड लग जाएगा।

चौधरी देवीलाल के अनुयायी कभी हार नहीं मान सकते: राकेश

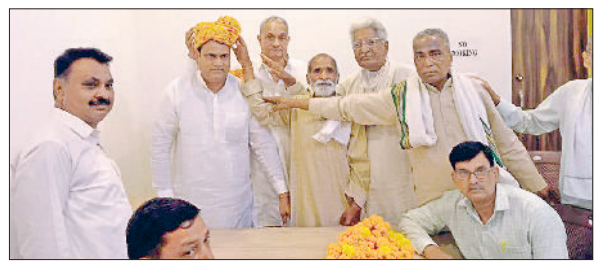

नारनौल। पार्टी कार्यालय में जेजेपी कार्यकर्ताओं की मीटिंग लेते जिला प्रभारी राकेश जाखड़। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जननायक जनता पार्टी कार्यकर्ता चौधरी देवीलाल के सच्चे अनुयायी हैं और वह कभी हार नहीं मान सकते। संघर्ष करना एक–एक कार्यकर्ता के खून में रमा हुआ है और इसी की बदौलत हम पुनः सत्ता में आएंगे। उक्त उद्गार जजपा के नवनियुक्त जिला प्रभारी राकेश जाखड़ ने महावीर चौक के समीप स्थित जजपा के जिला कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रभारी विधानसभा चुनावों के बाद पहली बार पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं की मीटिंग लेने पहुंचे थे। जजपा के कार्यकर्ताओं को पिछले चुनावों में मिली हार से निराश होने की जरूरत नहीं है, बल्कि दोगुने उत्साह के साथ फिर से संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब तक संगठन मजबूत नहीं होगा, तब तक सत्ता में आने की बातें बेमानी सी लगती हैं। इसलिए पहले संगठन को मजबूत करें और इसके लिए गांव–गांव जाकर सक्रिय लोगों को पार्टी से जोड़ें।

बता दें कि प्रदेश में जजपा की ओर से हाल ही में जिला प्रभारियों की नियुक्ति की गई है तथा उन्हें संगठन विस्तार की जिम्मेदारी दी गई है। उसी कड़ी में राकेश जाखड़ नारनौल आए हुए थे।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर राव सुरेश शास्त्री, अमर सिंह ब्रह्मचारी, ओमप्रकाश इंजीनियर, राजकुमार खातोद, सुरेंद्र पटीकरा, अशोक सैनी, सिकंदर गहली, रामकुमार, सचिन जिला पार्षद, रोहतास रावत, वीरेंद्र बनिहाड़ी, बेदू राता, अजय एडवोकेट, विजय छिलरो, लक्खी सोनी, वीरेंद्र घाटासेर, प्रमोद ताखर, हजारी लाल लंबौरा, विष्ण सरपंच, इश्य कुमार, अनिल कुराहवटा, शफी मोहम्मद, माडूराम, शेरसिंह डीपीई, रविंद्र बेवल, नवीन राव, नरेश मास्टर, लक्खा गुर्जर, शेखर, सत्तू खटीक, जयवीर फौजी, सुनील जेवली, कुलदीप, शेरू चौधरी, बलवान ग्रेवाल, कुणाल शुक्ला व लीलाराम आदि मौजूद रहे।

श्रीकृष्णा स्कूल में यूथ बॉक्सिंग महिला एवं पुरुष का ट्रायल कल

महेंद्रगढ़। श्रीकृष्णा स्कूल में जिला स्तरीय यूथ बॉक्सिंग महिला एवं पुरुष का ट्रायल किया जाएगा। स्पोर्ट्स एचओडी महीपाल यादव व कोच उत्तम ने संयुक्त रूप से बताया कि सात अप्रैल को प्रातः 10 बजे श्रीकृष्णा स्कूल में जिला स्तरीय यूथ बॉक्सिंग महिला एवं पुरुष का ट्रायल लिया जाएगा। ट्रायल में चयनित खिलाड़ी जल्द ही स्टेट चैम्पियनशिप में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि इसकी नेशनल आगामी 20 से 28 अप्रैल को नोएडा उत्तर प्रदेश में आयोजित की जाएगी। जिसमें वर्ष 2007-08 के खिलाड़ी भाग लेंगे। उन्होंने खिलाड़ियों से अपील की है कि ट्रायल के दौरान बॉक्सिंग अपनी दो पास पोर्ट साईज फोटो, जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड अपने साथ लेकर आएं।

राव नेतराम स्कूल के छात्र का राई स्कूल में चयन

नारनौल। प्रदेश सरकार की ओर से संचालित स्पोर्टस स्कूल राई के फिजिकल के घोषित परीक्षा परिणाम में राव नेतराम पब्लिक स्कूल सलीमपुर के विद्यार्थी का चयन हुआ। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य अनिता देवी ने खिलाड़ी, अभिभावक व विद्यालय स्टाफ को बधाई देते हुए बताया कि आयुष पुत्र प्रवीन धनौन्दा का चयन कक्षा नौवीं के लिए प्रथम चरण की फिजिकल परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है। खेल के क्षेत्र में राव नेतराम पब्लिक स्कूल ने हमेशा ही बेहतर परीणाम दिए है। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले खिलाड़ी अगले चरण के परीक्षा के लिए पात्र होते है। खेल जीवन का अहम हिस्सा है तथा खेलों से मन व शरीर निरोगी होता है। खेल से विद्यार्थी करियर में सहायक होते है। इस मौके पर विक्रम डीपीई व स्टाफ आदि उपस्थित रहा।

पूर्व एसडीई जगदीश चंद्र खेड़ा का निधन

नारनौल। जनस्वास्थ्य विभाग के सेवानिवृत्त उपमंडल अभियंता (एसडीई) जगदीश चंद्र खेड़ा का करीब 87 साल की आयु में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार रेवाड़ी रोड स्थित मोड़ावाला स्वर्ग आश्रम में किया। उनके बेटे आम आदमी पार्टी के पूर्व जिला संगठन मंत्री एवं महेंद्रगढ़-भिवानी जिला के पूर्व उपाध्यक्ष गिरीश खेड़ा ने उन्हें मुखाग्नि दी। गिरीश खेड़ा ने बताया कि उनके पिता सन 1996 में रिटायर हुए थे। उनके मार्ग-दर्शन में स्वर्गीय विमला खेड़ा मेमोरियल समिति का गठन किया गया, जिसके वह प्रधान बने और उनके ही नेतृत्व में आधारशिला विद्यापीठ हाई स्कूल हुडीना रामपुरा का उदय हुआ, जहां बहुत से अनाथ बच्चों को पढ़ाया जाता है। उन्होंने बताया कि उनके पिता ने जीवन में कभी बेईमानी की कमाई नहीं खाई, जिसका जीता जागता उदाहरण है कि जब वह रिटायर हुए, तब उनके पास जमीन का एक टुकड़ा भी नहीं था।

उन्होंने बताया कि भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद वह दिल्ली आकर पूरे परिवार के साथ टेंट में रहे थे और वहीं दिल्ली से दसवीं पास की। उसके पश्चात नीलोखेड़ी से सिविल इंजीनियरिंग का डिप्लोमा प्राप्त किया और 1962 में पीडब्ल्यूडी-पब्लिक हेल्थ विभाग में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत होकर सरकारी सेवाएं प्रदान की। शोक सभा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी नसीबपुर में स्थित घर पर की जा रही है, जबकि 7 अप्रैल को रस्म पगड़ी गुरुद्वारा गुरूनानकपुरा में की जाएगी, जहां पर दोपहर 12:30 से 2 बजे तक लंगर भी आयोजित किया जाएगा।

दुर्गा अष्टमी पर गोवंश के लिए लगाई सवामणि

नारनौल। गोवंश के लिए हरा चारा लेकर आए गोसेवक। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। रघुनाथपुरा स्थित नन्दीशाला में प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के तत्वावधान में गोवंश के लिए हरे चारे की सवामणी का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष डा. संजय शर्मा ने बताया कि दुर्गा अष्टमी के अवसर पर शिक्षाविद राकेश शर्मा के सौजन्य से गायों के लिए हरे चारे की सवामणी का आयोजन कर उन्हें सब्जियों की चाट खिलाई। आयोजक राकेश शर्मा ने कहा कि कि गायों में 33 करोड़ देवी देवताओं का वास होता है, जो व्यक्ति गायों की सेवा करता है, उसकी सेवा कभी निष्फल नहीं जाती। ट्रस्टी अजय शर्मा ने कहा कि गाय देवी स्वरुप मानी जाती है। नवरात्र में गाय की सेवा करना साक्षात मां दुर्गा की सेवा करने के बराबर है। मुकुल शर्मा ने कहा कि जो मनुष्य गाय के लिए प्रतिदिन एक रोटी निकालते हैं, उनके घर में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहती। इस मौके पर राकेश शर्मा, भीमसेन शर्मा, अजय शर्मा, मुकुल शर्मा, दिनेश कुमार आदि मौजूद थे।

बीआर स्कूल में मनाया राम नवमी एवं दुर्गा अष्टमी पर्व

महेंद्रगढ़। राम नवमी पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देते बीआर स्कूल विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

बीआर स्कूल सेहलंग में राम नवमी एवं दुर्गा अष्टमी का पर्व मनाया गया। इस दौरान कक्षा नर्सरी से दूसरी तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व कन्या पूजन से हुआ, जिसे बीआर ग्रुप चेयरमैन हरीश भारद्वाज, प्रधानाचार्य डॉ. राम मोहन वशिष्ठ तथा उपप्रधानाचार्या ज्योति भारद्वाज द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण की गूंज के साथ संपन्न किया गया। विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम के जीवन व उनके संघर्षों पर आधारित भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से यह दर्शाया गया कि श्रीराम का जीवन प्रत्येक मानव के लिए एक आदर्श है, जो हमें मातृभूमि और राष्ट्र की सेवा में स्वयं को समर्पित करने की प्रेरणा देता है।

यदुवंशी में मनाई गई दुर्गा अष्टमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में दुर्गा अष्टमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यालय में विशेष पूजा-अर्चना सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने मां सिद्धिदात्री के समक्ष प्रार्थना कर आशीर्वाद ग्रहण किया। दुर्गा अष्टमी पर्व मनाने का मुख्य उद्देश्य मां दुर्गा की शक्ति, बुद्धि, सामर्थ्य, खुशहाली एवं संपन्नता स्वरूप से विद्यार्थियों को अवगत करवाना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कविता, भजन एवं भाषणों के माध्यम से मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का वर्णन किया। वहीं किड्स के विद्यार्थियों ने भी इस अवसर पर प्रसाद ग्रहण कर नवरात्रों के महत्व को दर्शाया। प्राचार्य पवन कुमार ने बताया कि इस दिन को नारी शक्ति के सम्मान का प्रतीक बताया। दुर्गा अष्टमी हमें शक्ति, साहस और सच्चाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि जिस प्रकार मां दुर्गा ने बुराई पर विजय प्राप्त की, वैसे ही हमें भी अपने जीवन की चुनौतियों का डटकर सामना करना चाहिए। अपने अंदर निडरता और आत्मविश्वास को जगाइए, क्योंकि सच्ची शक्ति हमारे मन और कर्म में होती है। इस अवसर पर संस्था वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, फाउंडर डायरेक्टर राजेंद्र सिंह, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव उपस्थित रहे।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया नाम रोशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

यदुवंशी शिक्षा निकेतन अपने उत्कृष्ट परिणाम देने के लिए सदा ही सुर्खियों में रहती है। इसी कड़ी में संस्था के प्रतिभाशाली छात्र नमन कुमार पुत्र जगप्रवेश ने एक बार फिर विद्यालय का नाम राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी गौरवान्वित किया है। नमन ने सिल्वर जोन रिजनिंग ओलम्पियाड प्रतियोगिता में विश्व में प्रथम स्थान हासिल कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस उपलब्धि पर उन्हें 5000 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

विद्यालय के उप प्राचार्य नरेश यादव ने बताया कि नमन शुरू से पढ़ाई में होनहार छात्र रहा है। यह राष्ट्रीय स्तर पर भी अनेक प्रतियोगिताओं में अपना जलवा दिखा चुका है। प्रबंधन, शिक्षकों और समस्त छात्रों में इस गौरवपूर्ण सफलता को लेकर खुशी की लहर है। विद्यालय के निदेशिका सुरेश यादव ने नमन की जीत पर मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। विद्यालय के प्राचार्य डा. अनंत शर्मा ने कहा कि विद्यालय की ओर से संचालित अत्याधुनिक शिक्षण व्यवस्था, अनुशासनयुक्त माहौल व प्रतिस्पर्धात्मक तैयारी के कारण ही यहां के छात्र निरंतर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। संस्था के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने प्रतियोगिता विश्व विजेता नमन को बधाई दी।

हैप्पी स्कूल में दुर्गाष्टमी पर हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। मां काली के रूप में विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दुर्गा अष्टमी के दिन मनमोहक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से आठवीं के भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल और मैनेजर चंचल अग्रवाल उपस्थित रहे। संचालक सुभाषचंद्र अग्रवाल, उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल ने दुर्गा माता की अग्रिम पूजा कर कार्यक्रम को शुरूआती दिशा निर्देश दिए। कार्यक्रम में मंच संचालन का कार्य छात्रा प्रेरणा और तेजस्वी ने संभाला। वहीं कार्यक्रम के शुरूआती आगाज में तीसरी से पांचवी कक्षा की छात्राओं ने डांडिया और एलकेजी से दूसरी कक्षा की छात्राओं ने ऊंचा है भवन माता रानी का गाने पर समूह नृत्य किया। तीसरी से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने काली द्वारा किए गए रक्तबीज वध को नाटकीय रूपांतरण के माध्यम से प्रस्तुत किया। कक्षा चार की छात्रा द्वारा किए गए एकल नृत्य ने कार्यक्रम को भक्तिमय बनाया। प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए दुर्गा अष्टमी का महत्व यह है कि यह उन्हें शक्ति, ज्ञान और सकारात्मकता प्रदान करती हैं। प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल, मैनेजर चंचल अग्रवाल, संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल और उप संचालिका कौशल्या अग्रवाल ने बताया कि दुर्गा अष्टमी मां दुर्गा के शक्ति और साहस के रूप में जानी जाती है, जो विद्यार्थियों को मुश्किलों का सामना करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है। दुर्गा अष्टमी एक सकारात्मक और शुभ त्योहार है, जो विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने में मदद करता है।

कलशयात्रा से हुआ सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। शहर में कलशयात्रा निकालती महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

मंदिर श्री ठाकुर जी महाराज मौहल्ला ढाणी के प्रांगण में शनिवार से सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ कलशयात्रा से किया गया। इस कार्यक्रम के यजमान वैध मातादीन शर्मा एवं उनकी बेटी ललिता सहित सहपरिवार थे। विशिष्ट अतिथि सुरता गिरी आश्रम के नाम बाबा इतवार रहे। श्रीमद्भागवत ग्रंथ को अपने सिर पर रखकर कलश यात्रा के दौरान अपनी भागीदारी निभाई और आचार्य त्रिलोक शर्मा के द्वारा विधिवत मंत्र उच्चारण से श्रीमद्भागवत पूजन करवाया गया। पूर्व प्रधान पतराम यादव ने बताया कि आज शनिवार को कथा से पूर्व प्रातःकाल के समय एक कलश यात्रा निकाली गई जो मंदिर श्री ठाकुर जी महाराज मौहल्ला ढाणी से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों में होती हुई वापस कथा स्थल पहुंची। इस कलश यात्रा में 211 महिलाएं अपने सिर पर कलश उठाकर ढ़ोल-नगाड़ों के साथ श्रीकृष्ण भक्ति में झूमती हुई चल रही थी, जबकि वृन्दावन धाम से पधारे कथाव्यास योगेश महाराज भी सभी भक्तों को आशीर्वाद देते हुए उनके साथ साथ चल रहे थे। धार्मिक प्रवक्ता घीसाराम सैनी ने बताया कि यह सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा मंदिर श्री ठाकुर जी महाराज प्रांगण में पांच अप्रैल से 12 अप्रैल तक प्रतिदिन दोपहर दो बजे से सायं 5-30 बजे तक चलेगी, जिसमें कथा व्यास योगेश महाराज व्यास गद्दी पर विराजमान होकर सभी भक्तों को अपनी अमृत वाणी से कथा का रसपान करवाएंगे। इस दौरान कॉलोनी के बच्चों द्वारा कथा प्रसंग से संबंधित भव्य झांकियां भी पेश की जाएंगी। उन्होंने बताया कि 12 अप्रैल को प्रातः 8-15 बजे हवन पूजन एवं गुरू पूजा से इस सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन समारोह मनाया जाएगा। इस मौके पर पंडित गोविंद राम, वार्ड पार्षद अशोक सैनी, साधुराम सैनी, हरिराम सैन, लालाराम, मुरारीलाल शर्मा, सोहन टैनी, जगदीश प्रसाद, महावीर यादव, मदन सैनी, राकेश शर्मा, संजय टोनी, गोलु, शिव, पूर्व पार्षद कृष्णा जांगड़ा, लाली देवी, लीला देवी, पिंकी, रितु, अंकिता अरोड़ा, पायल, बिमला, निशा, कमली, बिरण सहित सैंकड़ों भक्त उपस्थित रहे।

सूरज डिग्री कॉलेज की छात्रा ईशा ने 9.25 एसजीपीए लेकर कॉलेज टॉप किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

ईशा तंवर | नेहा | पायल

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर द्वारा बी.एस.सी लाईफ साइंस प्रथम सेमेस्टर का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन सराहनीय रहा, जिसमें बी.एस.सी लाईफ साइंस प्रथम सेमेस्टर की छात्रा ईशा तंवर पुत्री सतीश महेंद्रगढ़ ने 9.25 एसजीपीए हासिल कर पूरे कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। पायल पुत्री अनिल कुमार ग्राम आदलपुर ने 9.17 एसजीपीए लेकर कॉलेज में दूसरा एंव नेहा पुत्री अनिल कुमार ग्राम ढाणी शोभा ने 9.00 एसजीपीए के साथ कॉलेज में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

इसी क्रम में छात्रा दीपाशी पुत्री हरिश ने 8.92, जयसमा पुत्री मुकेश सिंह ने 8.54, निधि पुत्री मनोज ने 8.50, दीक्षा कुमारी पुत्री प्रवीन कुमार ने 8.46, दीपक पुत्र महेन्द्र सिंह ने 8.33 एसजीपीए प्राप्त किऐ। कॉलेज प्राचार्य डा. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

उन्होंने बताया कि कॉलेज के विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। इस अवसर पर कॉलेज के निदेशक संदीप प्रसाद ने भी परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

खबर संक्षेप

मॉडर्न स्कूल भोजावास का वार्षिक उत्सव आज

कनीना। गांव भोजावास में मॉडर्न पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव छह अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। विद्यालय के एमडी राजकुमार यादव ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह होंगे। अध्यक्षता चेयरमैन अमरजीत यादव करेंगे। समारोह में विशिष्ट अतिथि बीईओ डा. विश्वेश्वर कौशिक होंगे। जिसमें मेधावी विद्यार्थियों सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

श्रीराम भगत हनुमान का रोट 8 को

नारनौल। पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारीगण व कर्मचारियों द्वारा हर साल की तरह इस साल भी श्रीराम भगत हनुमान का रोट 8 अप्रैल वार मंगलवार को नसीबपुर के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट माता मैरियम स्कूल वाले रास्ते पर बीएसएनएल टावर के पास किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए जनस्वास्थ्य विभाग कर्मचारी यूनियन के प्रवक्ता रामशरण यादव ने बताया कि 7 अप्रैल को सुंदरकांड का पाठ आयोजित किया जाएगा और 8 अप्रैल को सुबह 8:15 बजे पर हवन होगा तथा 10:15 बजे से प्रसाद वितरण चालू किया जाएगा।

हनुमान जयंती पर भंडारे का आयोजन 12 को

कनीना। 132 केवी पावर सब स्टेशन में आगामी 12 अप्रैल को हनुमान जयंती के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। बिजली निगम कर्मचारियों की ओर से आयोजित इस भंडारे को लेकर बैठक आयोजित की गई। बिजली निगम के जेई राम रतन शर्मा ने बताया कि समारोह की तैयारी शुरू कर दी गई है।

एससी, बीसीए, बीसीबी व दिव्यांग बच्चों के लिए की 25 सीटें आरक्षित

एडमिशन के लिए 16 को निकलेगा ड्रा 6 दिन बाद दाखिला सूची होगी जारी

- संस्कृति मॉडल स्कूल में नौवीं से 12वीं तक प्रत्येक कक्षा में 40 विद्यार्थी करेंगे पढ़ाई
- सीट खाले होने पर 23 अप्रैल को फिर से आवेदन प्रक्रिया होगी शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

सीबीएसई से जुड़े राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूलों में दाखिला प्रक्रिया आरम्भ हो गई है। जिला में ऐसे सीनियर सेकेंडरी स्कूल नौ और प्राथमिक स्कूलों की संख्या 26 है। इन स्कूलों में दाखिला के लिए 11 अप्रैल तक आवेदन किया जा सकता है। इसके बाद 16 अप्रैल को ड्रा निकाला जाएगा। छह दिन बाद दाखिला सूची जारी होगी। अगर सीट खाली रह जाती है तो दूसरी दाखिला प्रक्रिया 23 अप्रैल से शुरू होगी। आपको बताते चले कि प्रदेश में चलाए जा रहे राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीबीएसई बोर्ड से संबद्धता प्राप्त है अथवा इनकी सम्बद्धता सीबीएसई से करवाई जानी है। इन विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा प्रदान की जा रही है। इसके साथ साथ महाग्रामों, कस्बों व शहरों में राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय भी चलाए जा रहे है।

ये रहेगा आरक्षण

शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12(1) (सी) के तहत आरक्षण भी दिया जाना है। इनमें एससी, बीसीए, बीसीबी व दिव्यांग बच्चों के लिए 25 सीटें आरक्षित है।

दाखिला व मासिक फीस

विद्यालय विकास निधि के तहत पंजीकरण अंशदान केवल एक बार लिया जाना है। गत वर्षों से दाखिल विद्यार्थियों से किसी तरह का पंजीकरण अंशदान नहीं लिया जाएगा। विद्यालय विकास निधि का कक्षावार मासिक अंशदान तय किया गया है। एक मुश्त पंजीकरण अंशदान की बात करें तो कक्षा पहली से पांचवीं तक 500 रुपये व छह से 12वीं तक 1000 रुपये है।

वहीं मासिक फीस की बात करें तो कक्षा पहली से तीसरी तक 200 रुपये, चौथी व पांचवीं के लिए 250 रुपये, छठीं से आठवीं तक 300 रुपये, नौंवी से 10वीं तक 400 रुपये और कक्षा 11वीं व 12वीं के लिए मासिक 500 रुपये फीस तय की गई है।

विद्यालय में नए दाखिले हेतु ही एकमुश्त पंजीकरण अंशदान लिया जाना है। पूर्व में जारी निर्देशानुसार 1.80 लाख से कम वार्षिक आय वाले व दिव्यांग विद्यार्थियों से विद्यालय विकास निधि नहीं ली जानी है।

नारनौल। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय। फोटो : हरिभूमि

सतनाली के स्कूल को भी मिलेगा राजकीय मॉडल संस्कृति का दर्जा

हाल ही में शिक्षा विभाग ने एक पत्र जारी किया है। इसके मुताबिक प्रदेशभर में 25 सरकारी स्कूलों को राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दर्जा दिया जाएगा। इसमें महेंद्रगढ़ जिला से एकमात्र राजकीय कन्या मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का नाम भी है।

कक्षावार सीटों की संख्या

कक्षा	संख्या
पहली से पांचवीं	अधिकतम 30 विद्यार्थी प्रति सेक्शन
छठी से आठवीं	अधिकतम 35 विद्यार्थी प्रति सेक्शन
नौंवी से बारहवीं	अधिकतम 40 विद्यार्थी प्रति सेक्शन

दाखिले का शेड्यूल

दाखिला प्रक्रिया एक अप्रैल से आरम्भ हो चुकी है। आवेदन पत्र जमा करने की अतिथि तिथि 11 अप्रैल तय की गई है। इसके बाद 16 अप्रैल को ड्रा निकाला जाएगा। प्रतीक्षा सूची का दाखिला 22 अप्रैल को होगा। सीटें खाली रहने की अवस्था में दाखिले का दूसरा दौर 23 अप्रैल से आरम्भ किया जाना है।

आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेज

जन्म का प्रमाण पत्र-अस्पताल/दाई का रजिस्टर अभिलेख, आंगनबाडी अभिलेख, माता-पिता अथवा सरंक्षक का आयु के लिए शपथ पत्र, रिहायश का प्रमाण पत्र-आधार कार्ड/परिवार पहचान पत्र, आवेदन का फार्म-यह आवेदन फार्म स्कूल द्वारा अभिभावकों को निशुल्क उपलब्ध करवाया जाएगा, किसी भी बच्चे को दस्तावेज के अभाव में दाखिले से वंचित नहीं किया जाएगा। बच्चे/अभिभावक को अस्थाई दाखिला देकर 30 दिन का समय प्रदान किया जाएगा, यदि आरक्षित सीटों के लिए समुचित संख्या में आवेदन नहीं आते है तो इन सीटों को सामान्य श्रेणी में भरा जाएगा।

राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय

सीटों की संख्या : पहली कक्षा में प्रत्येक सेक्शन में अधिकतम छात्र संख्या 30 है। केवल अंग्रेजी माध्यम में पढ़ने के इच्छुक विद्यार्थियों को ही इस कक्षा में दाखिला मिलेगा। गत वर्ष की भांति इन विद्यालयों में कक्षा पहली में हिन्दी माध्यम का सेक्शन नहीं होगा। सीटों की संख्या विद्यालय में उपलब्ध ढांचागत सुविधाओं, अध्यापकों की संख्या तथा सीबीएसई नॉर्मस के अनुसार तय की जाए।

सेक्शन की संख्या : सभी कक्षाओं में सेक्शनस (अनुभागों) की संख्या संबंधित एसएमसी द्वारा विद्यालय में उपलब्ध ढांचागत सुविधाओं के मद्देनजर निर्धारित की जाएगी तथा ड्रा के लिए उपलब्ध करवाई जाएगी।

जिले में 9 सीनियर सेकेंडरी व 26 प्राथमिक स्कूल

जिला में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नौ है। इनमें नारनौल, महेंद्रगढ़, अटेली, कनीना, धौलेड़ा, आकोदा, कृष्णनगर, धनौंदा व सिहमा है। वहीं 26 राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय है। जिनमें सिलारपुर, खोड़, अटेली, नसीबपुर, कनीना, भोजावास, ककराला, बवानिया, नायन, दौंगड़ा, पथरवा, मसानी, जड़वा, नयाबास, नायन, बायल, रायमलिकपुर, नांगल दर्गू, अमरपुरा, मुसनौता, नियामतपुर, मौहल्ला रावका, पटीकरा, मुकुंदपुरा व आजमाबाद मोखूता में है।

प्रत्येक प्राथमिक स्कूल में बालवाटिका कक्षा

आदेश में कहा गया है कि प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय में बालवाटिका कक्षा को आरम्भ करना अनिवार्य है। इसके लए नामांकन किए जाए। बालवाटिका में अभी फीस नहीं ली जानी है। बालवाटिका में बच्चों के सेक्शन की अधिकतम सीमा निर्धारित नहीं है।

दुष्कर्म करने के मामले में दोषी को 20 साल की सजा, दो लाख का जुर्माना

- माननीय न्यायालय ने डीएलएसए को पीड़ित के परिवार को 4 लाख की सहायता राशि प्रदान करने के दिए आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में माननीय केपी सिंह स्पेशल कोर्ट/अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट, पॉक्सो नारनौल की कोर्ट ने आरोपित सुरेन्द्र को दोषी करार दिया है। इस दोषी को धारा 6 पॉक्सो एक्ट के तहत 20 साल कठोर कारावास, धारा 366ए आईपीसी के तहत 10 साल कठोर कारावास, धारा 363 आईपीसी के तहत सात साल कठोर कारावास, धारा 457 आईपीसी के तहत सात साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

मामले के अनुसार मई 2023 में नाबालिग के परिजनों के ब्यान पर थाना निजामपुर में मामला दर्ज किया गया था। जिसमें आरोपित के द्वारा नाबालिग को बहला फुसलाकर अपने साथ ले जाने के आरोप थे। इस संबंध में थाना निजामपुर में संबंधित धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया था। इसके बाद नाबालिग के माननीय मजिस्ट्रेट के समक्ष ब्यान करवाए गए। इसके बाद मामले में पॉक्सो एक्ट की धारा जोड़ी गई। जांच इकाई के द्वारा महत्वपूर्ण साक्ष्यों का आंकलन कर अभियोग में प्रभावी कार्यवाही करते हुए पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपित को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के सम्मुख पेश किया गया था। मामले की सुनवाई माननीय केपी सिंह स्पेशल कोर्ट/अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट, पॉक्सो नारनौल की कोर्ट में हुई। माननीय न्यायालय में सुनवाई के दौरान उप जिला न्यायवादी भारत भूषण दहिया ने मामले में अभियोजन के पक्ष में प्रभावशाली पैरवी करते हुए माननीय न्यायाधीश के सम्मुख दलीलें पेश करते हुए दोषी को सजा दिलाने में भूमिका निभाई।

सुनवाई के दौरान माननीय न्यायालय ने मामले को बहुत ही संगीन माना और जांच इकाई की उत्कृष्ट पैरवी एवं प्रॉसीक्यूशन द्वारा पेश की गई मजबूत दलीलों से दोषी की सजा में कोई नरमी नहीं बरती। माननीय न्यायालय ने अभियोग में सुनवाई करते हुए दोषी को उक्त मामले में उपरोक्त सजा के सादर आदेश किए हैं।

प्ले स्कूल पटीकरा में मेला आयोजित

नारनौल। महिला बाल विकास मंत्रालय की ओर से आंगनबाड़ी एवं प्ले स्कूलों में चलाए जा रहे रेडनेस कार्यक्रम के तहत राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला पटीकरा के परिसर में स्थित प्ले स्कूल में रेडीनेस मेले का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला पटीकरा पवित्रा यादव ने की। विशिष्ट अतिथि रितु खरेरा व योगेश कुमार जिला पार्षद थे। मेले में तीन से पांच वर्ष के 42 बच्चों व अभिभावकों तथा पटीकरा में कार्यरत छह आंगनबाड़ी केन्द्र की वर्कर तथा सहायकों ने भाग लिया। योगेश कुमार ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। पवित्रा यादव सीनियर शिक्षिका राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय पटीकरा ने अभिभावकों से आग्रह किया गया कि वह प्ले स्कूल में बालवटिका दो उत्तीर्ण कर चुके सभी विद्यार्थियों को सरकारी स्कूल की सबसे छोटी इकाई कक्षा बलवाटिका तीन में अधिक से अधिक संख्या में अपने बच्चों का नामांकन करवाकर नियमित विद्यालय भेजें। इस मौके पर शिरोमणि देवी, सुमन यादव, रेखा देवी, कमलेश, माया देवी, रानी, रेखा, संगीता, मेनका, लीलाराम आदि मौजूद थे।

एसडीएम ने किया अनाज मंडी का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭मंडी अटेली

मंडी अटेली। एसडीएम रमित यादव अटेली अनाज मंडी में निरीक्षण करते हुए।

शनिवार दोपहर बाद एसडीएम रमित यादव ने नई अनाज मंडी अटेली का अचानक निरीक्षण किया। किसानों ने तुलाई में देरी की शिकायत की। सुबह से गेट पास कटवाकर फड़ पर बैठे किसानों की फसल शाम 4 बजे तक भी नहीं तौली गई थी। इस पर एसडीएम ने मंडी में लगे कांटे चेक किए। ठेकेदार के कांटे और प्राइवेट मंडी के कांटे भी जांचे गए। सभी कांटे डिजिटल थे।

एसडीएम ने ठेकेदार को आदेश दिए कि सभी कांटों की कैलिब्रेशन नापतौल विभाग से कराई जाए। एसडीएम ने लिफ्टिंग की धीमी गति पर भी नाराजगी जताई। बताया की गाड़ियों की संख्या बढ़ाई जाएगी। ताकि सरसों के बैग समय पर वेयरहाउस में रखे जा सकें। आज प्राइवेट बाजार में सरसों के भाव समर्थन मूल्य से कम रहे।

इस कारण किसानों ने सरकारी खरीद को प्राथमिकता दी। सरकारी खरीद में भारी भीड़ रही। प्राइवेट खरीद में सिर्फ 40 गेट पास कटे। इनमें 600 क्विंटल सरसों की आवक रही।

सरकारी खरीद में अधिक आवक के कारण तुलाई में देरी हुई। किसान परेशान नजर आए।

कनीना मंडी में 14000 क्विंटल सरसों की हुई खरीदी

कनीना। अनाज मंडी में शनिवार को 23 किसानों का 900 क्विंटल गेहूं मंडी में समर्थन मूल्य बिकने के लिए पहुंचा। इस बार समर्थन मूल्य 2425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। मंडी में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की ओर से गेहूं की खरीद की जाएगी। सोमवार से कनीना अनाज मंडी में गेहूं की खरीद आरंभ होगी। वहीं 14000 क्विंटल सरसों की खरीद की गई। कनीना मंडी में अब तक 68464 क्विंटल सरसों की खरीद की जा चुकी है। मार्केट कमेटी के सचिव विजय सिंह ने बताया कि सरसों के खरीद नई अनाज मंडी चेलावास में की जा रही है। वहीं गेहूं की खरीद पुरानी अनाज मंडी में की जा रही है। किसान अपनी फसल लाते समय निर्धारित स्थान के अनुसार ही लेकर आए, जो किसान सरसों बेचने आते हैं।

कनीना। अनाज मंडी में सरसों की खरीद करते अधिकारी।

गुजरवास को जाने वाले मार्ग पर खेत में लगी आग

हरिभूमि न्यूज ⏭मंडी अटेली

बिजली के शार्ट सर्किट के चलते मंडी अटेली से गुजरवास की तरफ से जाने वाले खेत में शार्ट सर्किट के चलते शनिवार दोपहर बाद गेहूं की कटाई के बाद रखी पुलियों में आग लग गई, जिससे गेहूं की करीब 5 क्विंटल फसल जल गई। डेढ़ एकड़ गेहूं की फसल निकल गई हुई थी, आसपास के राहगीरों व पड़ोसियों ने आग पर काबू पाने का प्रयास कर आग पर काबू किया।

सूचना पाकर फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। खेते के समीप रहने वाले दिल्ली पुलिस ने जवान ओमपाल ने बताया कि वह शनिवार को छुट्टी पर था। आग की लपटों को देखकर उसने फायर ब्रिगेड व पुलिस को सूचना दी। आग पर मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों ने अपने स्तर पर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। दोपहर बाद खेते के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन की बिजली लाइन के तारों में शार्ट सर्किट के चलते निकला हुई गेहूं की फसल में आग लग गई।

नांगल निवासी सुभाष ने गामड़ी निवासी किसान को अपने खेते में कास्त के लिए दिए हुए है। डेढ़ एकड़ खेत में गेहूं की लावणी कर पुलिया एकत्रित कर रखी हुई थी। शार्ट सर्किट के चलते करीब चार से पांच क्विंटल गेहूं की फसल में आग लगने से जल गई।

मंडी अटेली। गेहूं की कटाई के बाद रखी पुलियों में लगी आग। फोटो : हरिभूमि

खासपुर में आग लगने से 10 परिवारों का ईंधन जला, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

मंडी अटेली। मौसम बदलने के साथ गर्मी शुरू होते ही आग लगने का सिलसिला शुरू हो गया है। क्षेत्र के गांव खासपुर की फिरनी में शनिवार दोपहर बाद बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगभग 10 परिवारों ईंधन जलकर राख हो गए। सूचना पाकर मौके पर फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। खासपुर की फिरनी में ईंधनों ऊपर से बिजली के तार गुजर रहे हैं। गांव के फीडर की लाइन में भी फाल्ट हो गया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। ग्रामीणों ने आग को पहले तो अपने स्तर पर बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू नहीं हो सका। इस बीच आग की सूचना फायर ब्रिगेड को दी फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। वहीं सूचना पाकर फैजाबाद चौकी के इंचार्ज सब इंस्पेक्टर पवन कुमार भी पहुंचे। उन्होंने बताया कि यदि समय रहते आग नहीं बुझाई जाती तो नुकसान और भी ज्यादा हो सकता था।

मंडी अटेली। खासपुर में ईंधनों में लगी आग को बुझाते हुए। फोटो : हरिभूमि

आग लगने से 2 एकड़ की सरसों जलकर राख

नारनौल। क्षेत्र में कई जगहों पर खेत में काट कर रखी व खेतों में खड़ी फसलों में आग लग गई। इससे अनेक किसानों की कई एकड़ फसल जलकर राख हो गई। जिसके कारण किसानों को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। इस बारे में पीड़ित किसानों ने सरकार से मुआवजे की मांग की है। इस समय फसल कटाई का सीजन चल रहा है। इस सीजन में आग लगने की घटनाएं भी अचानक बढ़ गई हैं। शुक्रवार रात को भी गांव अमरपुर जोरासी में किसान के खेत में काट कर रखी गई दो एकड़ सरसों की फसल जलकर राख हो गई। किसान लीलाधर शर्मा ने अपनी दो एकड़ सरसों की फसल को काटकर खलिहान में रखा हुआ था। शुक्रवार रात को करीब आठ बजे खलिहान में लगी फसल में आग लग गई। जिसके कारण दो एकड़ फसल पूरी तरह जलकर राख हो गई। वहीं मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया तथा आसपास के खेतों में डाली गई फसल को बचाया गया। वहीं एक अन्य गांव में महावीर सिंह की 150 मन कड़बी जलकर राख हो गई। इस बारे में किसान महावीर सिंह ने बताया कि उसने अपने खेत में एक साइड 150 मन कड़बी रखी हुई थी। जिसमें दोपहर को अचानक आग लग गई। इसकी सूचना दमकल को दी गई। मौके पर पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया। इससे किसान को करीब 30 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं एक अन्य घटना में धौलेड़ा रोड पर राधा स्वामी सतसंग आश्रम के पास भी आग लग गई। इससे वहां खड़ी घास व अन्य चारा जलकर राख हो गया।

नारनौल। बच्चों को जूते वितरित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

गरीब व माता पिता विहिन बच्चों को वितरित किए जूते

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नायन में पढ़ने वाले गरीब एवं बिन माता पिता के बच्चों को शनिवार जूते वितरित किए। इस दौरान यशिका ट्रेडर्स नारनौल द्वारा राकेश कुमार ने इस नेक कार्य को पूरा किया। इस दौरान प्राचार्य महिपाल ने राकेश कुमार का आभार व्यक्त करते हुए आह्वान किया कि हर आमजन में इस तरह की भावना जागृत हो जाए तो समाज में कोई छोटा बड़ा नहीं हो और हर जरूरतमंद को सहारा मिल जाए। मौके पर स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

कचरा संग्रह कर लगाना नागरिक विरोधी: सिंह

नारनौल। प्रदेश सरकार की ओर से नगर पालिका, नगर परिषद व नगर निगम में कचरा संग्रह कर लगाने की एसयूसीआई कम्युनिस्ट ने कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे घोर नागरिक विरोधी करार दिया है। एसयूसीआई कम्युनिस्ट के राज्य सचिव कामरेड राजेंद्र सिंह एडवोकेट ने कहा कि नगर पालिका, नगर परिषद व नगर निगम की ओर से पहले से ही नागरिकों से विभिन्न तरह के टैक्स वसूले जा रहे है, जबकि नागरिकों को न्यूनतम सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं करवाई जा रही। सुविधाओं का नितांत अभाव है। गर्मियों में शहर में पेयजल संकट का भीषण होना आम बात है। सीवरेज समस्या से नागरिक दुखी है। स्ट्रीट लाइट का बुरा हाल है। आए दिन लाइट खराब रहती है। आवारा पशुओं से नागरिक परेशान हैं। ये जान लेवा साबित हो रहे हैं। पार्कों का बुरा हाल है, उनके रखरखाव का ठेका प्राइवेट ठेकेदारों को पहले ही दिया गया है। वाहन पार्किंग का कोई इंतजाम नहीं है। छोटी छोटी बातों को लेकर नागरिक निकाय अधिकारियों के कार्यालय में चक्कर काटते रहते है, लेकिन उन्हें निराशा के अलावा कुछ नहीं मिलता। इससे नागरिक और भी दुखी व परेशान हैं। असल बात है कि सरकार की प्राथमिकताओं में नागरिक कहीं भी नहीं है। उसे नागरिकों की कोई चिंता नहीं है, न ही वह कोई सुध ले रही है। एसयूसी ई कम्युनिस्ट शहर के नागरिकों, व्यापार मंडल व अन्य सामाजिक संगठनों तथा संस्थाओं से मिलकर कचरा संग्रह टैक्स वसूली के विरोध व अन्य समस्याओं को लेकर नागरिक कमिटी का गठन करने की पहल करेगी। जब तक कचरा संग्रह टैक्स वापस नहीं लिया जाएगा व न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध नहीं करवाई जाती हैं, तब तक आंदोलन जारी रखा जाएगा।

आज नवरात्रि व्रत का करें पारण और मनाएं भगवान श्री राम जन्मोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

आज चैत्र नवरात्रि का अंतिम दिन है। नवरात्रि के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है, इनकी पूजा उपासना करने से समस्त प्रकार की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। नवमी के दिन अगर केवल इन्हीं की पूजा कर ली जाए तो व्यक्ति को संपूर्ण देवियों की पूजा का फल मिल सकता है। इस दिन कमल के पुष्प पर बैठी हुई देवी का ध्यान करना चाहिए। देवी को विभिन्न प्रकार के सुगन्धित पुष्प अर्पित करने चाहिए।

ज्योतिषाचार्य पंडित राहुल भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि छह अप्रैल रविवार को माता के नवरात्रि व्रत का पारण यानि व्रत का उद्यापन किया जाएगा। आज के दिन विशेष रूप से कन्याओं का पूजन करे और नौ कन्याओं को व लड़का (बटुक भैरव) भोजन कराना चाहिए। इस दिन माता को हलवा, पूड़ी, काले चने, फल, खीर और नारियल का भोग लगाया जाता है व प्रसाद के रूप में बांटा जाता है। धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि मां सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाली हैं। इन्ही देवी की कृपा से भगवान शिव का आधा शरीर देवी का हुआ था। यह देवी मां लक्ष्मी के समान कमल के आसन पर विराजमान है। जिनकी चार भुजाएं हैं।

इनका वाहन सिंह है। दाहिने और नीचे वाले हाथ में चक्र, ऊपर वाले हाथ में गदा, बाई ओर से नीचे वाले हाथ में शंख और ऊपर वाले हाथ में कमल पुष्प है। भगवती के इस स्वरूप की ही हम नवरात्र के अंतिम दिन आराधना करते हैं। मां दुर्गा के इस रूप को शतावरी और नारायणी भी कहा जाता। उन्होंने बताया कि इस दिन दुर्गा सप्तशती और कवच, कीलक और अर्गला स्तोत्र का पाठ लाभकारी होता है।

आज ही के दिन हुआ था भगवान श्री राम का जन्म

भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि हिंदू धर्म में राम नवमी के त्योहार का विशेष महत्व होता है। हर वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को राम नवमी का त्योहार बड़े ही धूमधाम उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष आज के दिन छह अप्रैल को ये त्यौहार मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी तिथि को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्म हुआ है। राम नवमी का पर्व चैत्र नवरात्रि का आखिरी दिन होता है। राम नवमी के साथ ही चैत्र नवरात्रि का समापन हो जाता है। राम नवमी पर भगवान राम की विशेष पूजा और आराधना की जाती है। इस दिन रामचरित मानस (अखंड रामायण),राम रक्षा स्तोत्र का पाठ और हनुमान चालीसा, सुंदरकांड के पाठ करना चाहिए। आज के दिन इन पाठों का बहुत ही ज्यादा महत्व और लाभकारी बताए है। इस दिन इनके पाठ को करने से ना सिर्फ अक्षय पुण्य मिलता है बल्कि धन संपदा के निरंतर बढ़ने के योग जाग्रत होते हैं।

टेलीग्राम टास्क फ्रॉड के मामले में दो आरोपितों गिरफ्तार

नारनौल। टेलीग्राम टास्क फ्रॉड पर पांच लाख तीस हजार रुपये की ठगी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर टीम ने दो आरोपित हेमराज वासी अजीतपुरा डेहरा जयपुर व सूरज वासी झांझडो की ढाणी डेहरा जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपित ठगी की वारदात में संलिप्त थे। आरोपित हेमराज का साइबर ठगी की वारदात में खाता प्रयोग हुआ था व आरोपित सूरज साइबर ठगों के लिए खाते उपलब्ध करवाने का काम करता था। आरोपितों से पूछताछ पुलिस ने तीन फोन, तीन एटीएम कार्ड, तीन पासबुक व एक चेकबुक बरामद की है। आरोपितों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। शिकायतकर्ता ने थाना साइबर क्राइम में शिकायत दी कि सात मार्च को उसके पास वाटसअप पर मैसेज आया। जिसमें उसे टास्क के बारे में बताया। टास्क में गूगल मैप पर होटल्स को फाइव स्टार रेटिंग देकर टेलीग्राम पर स्क्रीन शॉट भेजने के लिए कहा। शिकायतकर्ता के यह टास्क कंप्लीट करने के बाद कुल 300 रुपये उसके खाता में ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद उन्होंने एक लिंक भेजकर उसे एक साइट पर ज्वाइन करवा दिया और होटल रिव्यू रेटिंग करवाने लगे व शिकायतकर्ता से 1000 रुपये डिपोजिट करवाये और प्रोफिट के उपरान्त रुपये उसके खाता मे ट्रांसफर कर दिए। इस प्रकार से साइबर ठगों ने कुल 530000 रुपये शिकायतकर्ता से ठग लिए। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए संबंधित कंपनियों से पत्राचार कर दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 6 अप्रैल 2025

बीते वर्ष रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या में सूर्य किरणों से नवप्रतिष्ठित रामलला के ललाट पर सूर्य तिलक किया गया था। आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला के सूर्य तिलक की योजना बनाई गई है। ऐसा कैसे संभव होगा, इसके लिए कैसे तकनीक काम करेगी और देश-विदेश में ऐसा और कहां हो चुका है? इस बारे में विस्तार से जानिए।

श्रीरामलला के ललाट पर नियमित होगा सूर्य तिलक

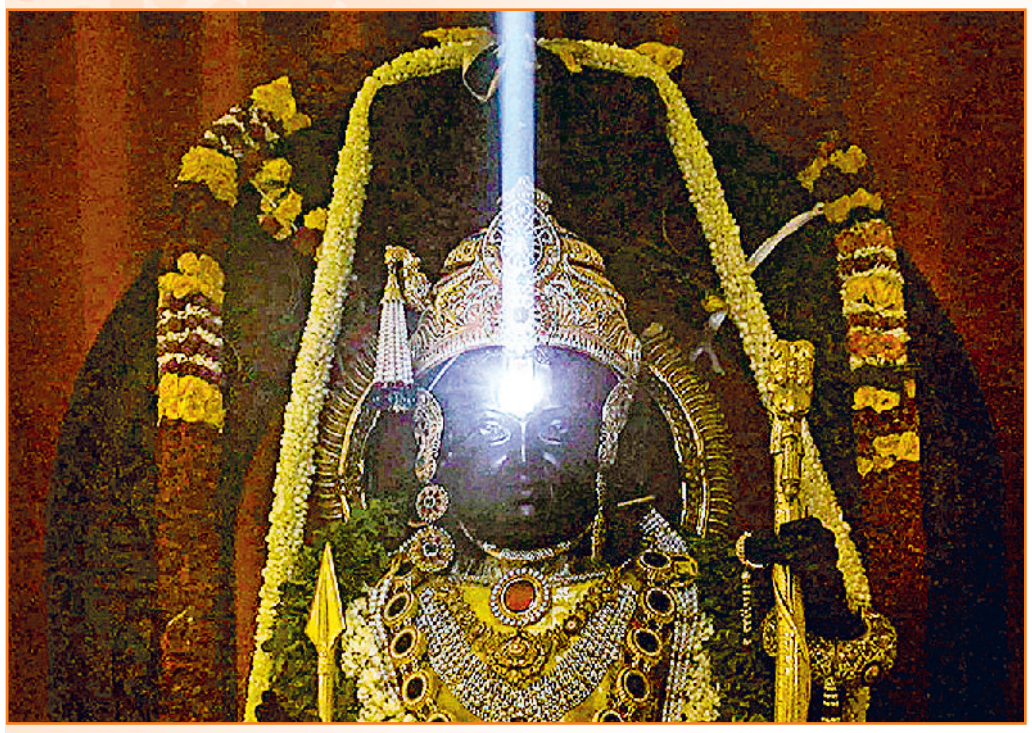

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

आज से अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला का प्रतिदिन सूर्य तिलक होगा। यह फैसला मंदिर निर्माण समिति ने लिया है। इसके तहत करीब 4 मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला के ललाट को सुशोभित किया करेंगी। समिति के अध्यक्ष और पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्र के मुताबिक हर दिन सूर्य तिलक की प्लानिंग अभी अगले 20 सालों तक के लिए की गई है।

गौरतलब है कि पिछले साल रामनवमी के दिन यानी 17 अप्रैल, 2024 को पहली बार रामलला का राजतिलक सूर्य की किरणों से किया गया था, जिसे 'सूर्य तिलक' कहा गया। इसकी वैज्ञानिक तकनीक मुख्य रूप से प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन के सिद्धांतों पर आधारित है।

कैसे किया गया सूर्य तिलक

सूर्य तिलक के लिए सबसे पहले संग्रहण लेंस और दर्पणों की मदद से सूर्य की किरणों को एक नियत स्थान पर केंद्रित किया गया। यह सूर्य की स्थिति की सटीक खगोलीय गणना और इंजीनियरिंग का कमाल था, जिससे दर्पणों और लेंसों को एक खास कोण पर स्थापित किया गया, जिससे सूर्य की किरणें सीधे रामलला के मस्तक पर सुशोभित हुईं। इस समूची प्रक्रिया में सौर संरेखण और भारतीय खगोलशास्त्र के सटीक ज्ञान का प्रयोग किया गया। पहले ऐसा करना हर वर्ष रामनवमी के दिन के लिए प्रस्तावित था। लेकिन आज रामनवमी से अगले 20 सालों तक हर दिन ऐसा होगा।

पहले भी हुआ है ऐसा

मुगलों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के पहले तक ओडिशा स्थित कोणार्क के सूर्य मंदिर के मुख्य गर्भगृह तक भी सूर्य की पहली किरणें पहुंचती थीं। लेकिन वहां किसी प्रतिमा के मस्तक पर सटीक तिलक नहीं होता था। इसी तरह महाराष्ट्र के कोराडी मंदिर में भी सूर्य की किरणें एक विशेष दिन गर्भगृह में प्रवेश करती हैं। ऐसे ही मदुरै (तमिलनाडु) के मीनाक्षी मंदिर में भी सूर्य की रोशनी गर्भगृह तक पहुंचती है। बृहदेश्वर मंदिर (तंजावुर) में भी विशेष संरेखण के जरिए शिवलिंग पर एक निश्चित समय सूर्य की रोशनी गिरती है। लेकिन इन सभी मंदिरों में किसी मूर्ति के सटीक मस्तक पर तिलक होने की तकनीक पहले कभी नहीं थी, जिस तरह की तकनीक से अयोध्या में रामलला के मस्तक को सुशोभित किया जा रहा है। ऐसी विशिष्ट तकनीक पहली बार प्रयोग की गई है। इससे पहले की सारी तकनीकें प्रकाश संरेखण के जरिए सूर्य की किरणों को गर्भगृह पहुंचाने तक ही सीमित थीं।

कोणार्क का सूर्य मंदिर

अनोखी है यह तकनीक

यह तकनीक वास्तव में इंजीनियरिंग और खगोलशास्त्र का संगम है। इस तकनीक में खगोलशास्त्र और भौतिकी (प्रकाश) विज्ञान का एक साथ उपयोग किया गया है। वास्तव में यह दुर्लभ संरेखण यानी रेयर एलाइनमेंट, बेहद सटीक काल गणना और दर्पण-लेंस प्रणाली के बेहतरीन समन्वय का नतीजा होती है। पहली बार किसी मंदिर में यह सूर्य किरण तिलक धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बना है। सूर्य तिलक बेहद जटिल तकनीकी है। केवल किसी खास दिन, केवल कुछ निश्चित क्षणों के लिए इसे सुनिश्चित करना भी बड़ी विशेषज्ञता है।

ऐसे होगा हर दिन सूर्य तिलक

चूंकि आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला का सूर्य तिलक किया जाना प्रस्तावित है, इसलिए मन में ऐसे सवाल उठने स्वाभाविक हैं कि जिस दिन सूर्य उगने के समय बारिश हो रही होगी, धुंध और कोहरा छाया होगा, उस दिन यह सब कैसे संभव होगा? जानकारों के मुताबिक अगर किसी दिन बारिश, बादल या मौसम की खराबी के कारण सूर्य दिखाई नहीं देगा, उस दिन यदि सूर्य तिलक की तकनीक पूरी तरह से प्रत्यक्ष सूर्य प्रकाश पर निर्भर होगी तब तो उस दिन सूर्य तिलक संभव नहीं होगा। चूंकि खगोलीय घटनाएं स्वाभाविक रूप से मौसम पर निर्भर होती हैं, इसलिए दुनिया के किसी भी स्थान पर 100% ऐसा करना प्राकृतिक ढंग से सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। लेकिन इसे बिना प्रत्यक्ष सूर्योदय के भी 100 फीसदी विभिन्न वैज्ञानिक तकनीक से संभव है। इसके लिए कुछ वैकल्पिक तकनीकी समाधान अपनाए जा सकते हैं, जैसे आर्टिफिशियल लाइटिंग सिस्टम। जिस तरह से सौर ऊर्जा संयंत्रों में सोलर लैंप का उपयोग किया जाता है, उसी तरह एक विशेष प्रकार की प्रकाशीय व्यवस्था यहां भी की जा सकती है। यह एलईडी या लेजर तकनीक का उपयोग कर सूर्य के प्रकाश का कृत्रिम रूप तैयार कर सकती है, जिससे तिलक की परंपरा जारी रह सके। रिफ्लेक्टर मिरर सिस्टम से भी यह संभव है। यदि किसी दिन प्रत्यक्ष सूर्योदय न हो तो इसके लिए पिछले दिनों के एकत्रित प्रकाश का उपयोग किया जा सकता है।

होलोग्राम तकनीक का विकल्प

एक अन्य विकल्प थ्री डी प्रोजेक्शन या होलोग्राम तकनीक भी हो सकती है, जो तिलक के प्रभाव को ठीक वैसे ही दिखाएगी, जैसा वास्तविक सूर्य तिलक के दौरान होता है। हालांकि मंदिर प्रशासन ने अब तक किसी आपातकाल में कृत्रिम विकल्प अपनाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन भविष्य में यदि भक्तों की मांग बढ़ती है, तो कृत्रिम रोशनी या वैकल्पिक तकनीकों को शामिल किया जा सकता है।

और भी हैं तकनीकें

कई बार ऐसा भी होता है कि मौसमी परिस्थितियों के चलते सामान्यतः सूर्य उगता हुआ नहीं दिखता, लेकिन वैज्ञानिक तथ्य यही होता है कि तब भी सूरज बादलों के पार उगा होता है और उसकी रोशनी किसी न किसी रूप में धरती पर आ रही होती है। यानी, नियत समय पर तब भी सूर्य अपनी जगह पर उग चुका होता है। वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से इस रोशनी का इस्तेमाल सूर्य तिलक के लिए संभव है। इसके लिए आधुनिक प्रकाशीय तकनीकों (ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी) और सौर ऊर्जा संग्रहण प्रणालियों का उपयोग किया जा सकता है। ऑप्टिकल सेंसर और रिले मिरर के साथ-साथ सोलर ट्रैकिंग सेंसर के जरिए जब सूरज उगा हुआ न दिखे तब भी यह संभव है। क्योंकि ये सेंसर सूर्य की स्थिति को ट्रैक करते हैं, भले ही वह बादलों के पीछे छिपा हो। ऐसे में सूर्य की हलकी सी रोशनी को भी ये सेंसर विशेष दर्पण प्रणाली की मदद से मूर्ति के मस्तक तक पहुंचा सकते हैं। इस तकनीक में फाइबर ऑप्टिक्स का भी उपयोग किया जा सकता है और सूरज की धुंधली रोशनी को भी केंद्रित किया जा सकता है। लब्बोलुआब यह कि वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से बादलों के बावजूद सूर्य तिलक संभव किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सोलर ट्रैकिंग, रिले मिरर जैसी लेजर तकनीकों का उपयोग करना होगा। *

दुनिया में और कहां होता है ऐसा

किसी प्रतिमा पर सूर्य किरण से तिलक करने की घटना एक अन्य देश में भी होती है। अबू सिंबल मंदिर (मिस्र) में हर वर्ष 22 फरवरी और 22 अक्टूबर को सूर्य की किरणें सीधे फराओ रामसेस द्वतीय की मूर्ति पर पड़ती हैं। लेकिन मूर्ति के मस्तक जैसे किसी एक विशेष स्थान पर सटीक ढंग से महज कुछ मिनटों के लिए सूर्य की किरणें नहीं गिरतीं जैसे कि अयोध्या के राम मंदिर में प्रतिष्ठित रामलला की मूर्ति के ललाट पर गिरती हैं।

रामनवमी विशेष

राम नाम की महिमा अपार

दो अक्षरों से निर्मित 'राम' नाम की महिमा की थाह अपार, अनंत और कल्याणकारी मानी जाती है। पुराणों से लेकर धार्मिक साहित्य में भी इस नाम की महत्ता का गुणगान मिलता है। अनेक देशों में राम नाम के नगर और राम नाम धारी अनोखे बैंक इसे प्रमाणित करते हैं।

महात्म्य
शिखर चंद जैन

आपने यह भजन तो अवश्य सुना होगा, 'राम से बड़ा राम का नाम।' यह सुनकर आश्चर्य हो सकता है कि भला प्रभु राम का नाम, उनसे भी बड़ा कैसे हो सकता है! लेकिन यह बात महान ऋषि, मुनि, विद्वान और धर्माचार्य भी कहते रहे हैं। राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादू दयाल, सुंदरदास, मलूकदास, समर्थ रामदास आदि। प्रभु श्रीराम का नाम सुमिरन करते हुए, नाम जप करते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं। कई पुराणों में भी इस तरह का उल्लेख किया गया है कि कलयुग में राम नाम का जप ही लोगों को भवसागर से पार ले जाने वाला सिद्ध होगा।

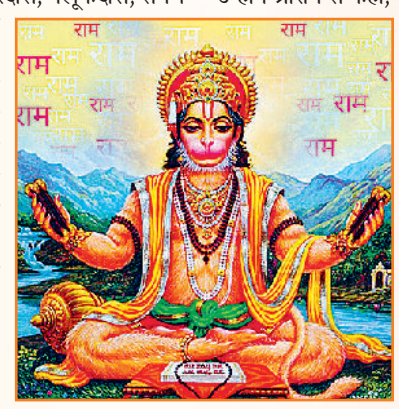

शिव भी जपते राम का नाम

पौराणिक मान्यता है कि राम नाम की महिमा का वर्णन शिवजी से सुनकर माता पार्वती भी उनका नाम जप करती हैं। शिवजी हनुमानजी का अवतार लेकर भी राम का नाम ही जपते रहते हैं। रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने राम नाम की महिमा का कई जगहों पर वर्णन किया है-

महामंत्र जोइ जपत महेसू। कासी मुकुति हेतु उपदेसू॥
महिमा जासु जान गनराऊ। प्रथम पूजिअत नाम प्रभाऊ॥

अर्थात जो महामंत्र है, जिसे महेश्वर श्री शिवजी जपते हैं और उनके द्वारा जिसका उपदेश काशी में मुक्ति का कारण है तथा जिसकी महिमा को गणेशजी जानते हैं, जो इस 'राम' नाम के प्रभाव से ही सबसे पहले पूजे जाते हैं। एक अन्य स्थल पर वे कहते हैं-

रामनाम कि औषधि खरी नियत से खाय,
अंगरोग व्यापे नहीं महारोग मिट जाए।

अर्थात, राम नाम का जप एक ऐसी औषधि के समान है, जिसे अगर सच्चे हृदय से जपा जाए तो सभी आदि-व्याधि दूर हो जाती हैं, मन को परम शांति मिलती है।

स्वयं प्रभु को हुआ अचरज

राम नाम की महिमा का एक प्रसंग बहुत चर्चित है। आपने भी रामायण में पढ़ा होगा कि रामसेतु के निर्माण के समय हर पत्थर पर राम नाम लिखा जा रहा था और हर कोई राम नाम का जयघोष कर रहा था। राम के नाम लिखे पत्थर जब तैरने लगे तो प्रभु श्रीराम भी आश्चर्य में पड़ कर सोचने लगे। उन्होंने सोचा कि जब मेरे नाम लिखे पत्थर तैरने लगे हैं तो यदि मैं कोई पत्थर फेंकता हूं समुद्र में तो उसे भी तैरना चाहिए। मन में यही विचार करके उन्होंने भी एक पत्थर उठा लिया, जिस पर राम का नाम नहीं लिखा था और उसे समुद्र में फेंक दिया, लेकिन वह पत्थर डूब गया। भगवान श्रीराम आश्चर्य में पड़ गए कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? दूर खड़े हनुमानजी यह सब देख रहे थे। उन्होंने श्रीराम से कहा, 'प्रभु! आप जिस दुविधा में हैं उसका उत्तर मैं देता हूं। हे प्रभु! आपके नाम को धारण कर तो सभी अपने जीवन की नैया को पार लगा सकते हैं, लेकिन जिसे आप स्वयं त्याग रहे हैं, उसे डूबने से भला कोई कैसे बचा सकता है?'

पाप-अज्ञान से मिले मुक्ति

राम के नाम में इतनी शक्ति है कि उनके नाम का जप करते हुए वाल्मीकि, देवतुल्य ऋषि और तुलसीदास, अज्ञानी से महान ज्ञानी-संत कवि बने।

दुनिया भर में व्याप्त राम का नाम

भगवान राम के नाम का डंका भारत भूमि पर ही नहीं, बल्कि विदेशी धरती पर भी बजता है। एक अध्ययन के मुताबिक राम, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूज्यनीय हैं। हॉलैंड का महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय ऐसा नक्शा बना रहा है, जिसमें राम के नाम से जुड़े करीब एक हजार नगर हैं, इस पर काम चल रहा है। राम नाम से दुनिया के अनेक देशों में नगर मौजूद हैं। इनमें शामिल हैं- ऑस्ट्रेलिया-रामसे, अलास्का-रामीज, बेल्जियम-इवोज रामेट, रामसेल, अफगानिस्तान-रामबुत, जर्मनी-रामवर्ग, रामस्टीन, रामबो, जिंबाब्वे-रामक्काड, लीबिया-रामलहर, लेबनान-रामाथी, सीरिया- रामर, रामट, मैक्सिको-रामीनेज, रामोनल, केन्या-रामा, रामी, डेनमार्क-रामी, रामसी, रामटेनऑ, अमेरिका-रामपो, रामह, रामरीटो, रामीरेज, इराक-रमन, रामूटा, रामा, रामाला, ईरान-रामरोद, रामसार, रामिस्क, रामिया, रूस- रामासुख, रामेसा, रामेला, रामेस्फ, स्पेन- रामाल्स डला विक्टोरिया, इंग्लैंड-रामसगबेट, राम्सगिन, राम टेक्पासाइड, फ्रांस-रामट्यूवेल, सेंट रामवर्ट, सेंट रामबाउलर *

अनोखी आस्था : राम नाम का बैंक

बनारस की पावन धरती पर राम नाम की महिमा को समर्पित राम नाम का एक बैंक है। इस बैंक का नाम है 'राम रमापति बैंक'। यह देश में नित नए खुल रहे राम नाम बैंकों में से सबसे पुराना है। यहां 'राम नाम' का कर्ज भी मिलता है। इस बैंक को 1926 में दास छन्नूलाल ने स्थापित किया था। बैंक के नियम कायदे काफी कठोर हैं, जिनका पालन ग्राहकों को अनुशासित रूप से करना पड़ता है। हर ग्राहक को 500 बार रोज के हिसाब से 1,25,000 बार राम नाम लिखने का वादा करना पड़ता है, वह भी सुबह 4 बजे से शाम को 7 बजे के बीच की अवधि में। लेखन सामग्री और स्याही आदि सब बैंक द्वारा उपलब्ध करवाया जाता है। लाल स्याही के पावडर को गंगा नदी के जल में घोलकर स्याही बनानी पड़ती है। इतने कड़े नियमों के बावजूद इस अनूठे बैंक के डेढ़ लाख आजीवन सदस्य हैं। भगवान की जन्मभूमि अयोध्या में भी अंतरराष्ट्रीय 'श्री सीताराम बैंक' है। यहां सभी भाषाओं में राम का नाम लिखा हुआ स्वीकार किया जाता है। इस बैंक की 101 शाखाएं हैं, जो न सिर्फ हमारे देश में बल्कि अमेरिका, कनाडा, नेपाल और फिजी में भी हैं।

नवगीत
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

गमलों के बरगद

छांव नहीं दे पाते हैं
गमलों के बरगद
उन्हें देखकर नागफनी
होती है गदगद।
कुछ भी करने पर बंदिश
हो, हाथ बंधे हों
जिस पर कलम चलाना हो
वो पत्र कंधे हों
नहीं मायने रखता
ऐसे में कोई पद।
अपने बूते चलने वाले
कम दिखते हैं
कुछ परबुधिया हो जाते हैं
कुछ बिकते हैं
लोग तय किया करते हैं
अब औरों की हद।
ठेढ़े पेड़ों को हरदम
कटना पड़ता है
बिना मोल के लोगों में
बंटना पड़ता है
जड़ें कटी हों जिसकी
घटता है उसका कद।
निर्भय होने पर ही चिड़िया
उड़ पाती है
खुले गगन से जीवन भर
फिर जुड़ पाती है
पंख तभी खुलते हैं जब
वो भरती है डग।

अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा कि ये घिबली क्या बला है!

कार्टून इंसान की कार्टून छवि

व्यंग्य
संदीप भटनागर

चुन्नी बाबू सुबह से छः बार कॉल कर चुके थे और हम बात करना टाल रहे थे। सोचा थोड़ी देर में खुद ही समझ जाएंगे लेकिन जब सातवीं बार फिर मोबाइल रिंग के साथ स्क्रीन पर उनका नाम चमका तो लगा कि उधर कुछ ज्यादा ही बेचैनी है।

फोन उठाते ही चुन्नी बाबू गरियाए 'अमां क्या अहमक आदमी हैं आप, एक ओर हमारी दोस्ती का दम भरते हैं और दूसरी ओर हमारे कॉल्स नजरअंदाज करते हैं? एक-दो कॉल हो तो ठीक है छः कॉल घोट कर पी गए। खुदा न खास्ता कोई इमरजेंसी हो तो हम तो तुम्हारे भरोसे नप ही जाएं। तुम्हारे इसी एटीट्यूड के कारण हमने हमारी संभावित 'फोन अ फ्रेंड' की लिस्ट में से तुम्हारा नाम डिलीट कर दिया है।'

चुन्नी बाबू पिछले कई सालों से हॉट सीट के चक्कर में लगे थे।

क्षणिक चुप्पी के बाद चुन्नी बाबू की गहरी सांस ने सिग्नल दिया कि अब बोलने की बारी हमारी है।

'ऐसी तो कोई बात नहीं चुन्नी बाबू कि हम आपका कॉल नजरअंदाज करें वो बस सुबह की मसरूफियत में आपके कॉल मिस कर बैठे, अब बताओ कौन सी इमरजेंसी आन पड़ी है?'

चुन्नी बाबू थोड़ा नॉर्मल होकर बोले, 'सुना है, तुमने अपने रिटायरमेंट के बाद लोगों को ज्ञान बांटने का काम चालू किया है?'

'अरे नहीं चुन्नी बाबू, हम क्या ज्ञान बांटेंगे? इस काम में तो अनेक सोशल मीडिया यूनिवर्सिटी और हजारों वाट्सएप समूहों के एडमिन और लाखों सदस्य दिन-रात लगे पड़े हैं। हमें तो बस कोई बुलाता है तो चले जाते हैं। इस बहाने अपना भी टाइम पास हो जाता है।'

'चलो ठीक है मान ली तुम्हारी बात, लेकिन उसके लिए तुम्हें दुनिया भर की खबर भी तो होनी चाहिए।' अब चुन्नी बाबू ज्ञान बांटने के मूड में लगे।

हमने कहा, 'हां इसी कोशिश में हम कुछ न कुछ पढ़ते-लिखते रहते हैं।'

'पढ़ना-लिखना सब पुराना ट्रेंड हो गया है, इससे कुछ नया हासिल होने वाला नहीं है। हर रोज नई-नई चीजें ट्रेंड हो रही हैं और तुम किताबों से माथा-पच्ची में लगे हो। पिछले कुछ दिनों से घिबली ने देश-दुनिया को हिलाकर रखा है।' चुन्नी बाबू ने हमें धिक्कारा।

हमें लगा कि म्यांमार और पड़ोसी देशों में आए विनाशकारी भूकंप के बाद यह कोई नई मुसीबत आई है। हमने अपने ज्ञान तंतुओं को एकत्रित कर पूछा, 'क्या घिबली कोई नया तूफान या चक्रवात है, जिसकी हमें खबर नहीं है?' बहुधा चक्रवात और तूफानों के इस तरह के नामकरण करने की परंपरा है।

चुन्नी बाबू हमारे अज्ञान पर तरस खाकर बोले, 'अपनी भूरी, मटमैली, नीरस किताबी दुनिया से बाहर निकल कर कुछ समय सोशल साइट्स की रंग-बिरंगी दुनिया में बिताओ तो पता लगे कि क्या हैशटैग हो रहा है और क्या ट्रेंड कर रहा है?'

हम अपनी गैर सामाजिक छवि पर शर्मिंदा हुए और समर्पण भाव से बोले, 'आप ही बता दीजिए कि घिबली क्या बला है, और इसका इतना शोर क्यों है?'

'जनाब इसका पूरा नाम घिबली स्टाइल पोट्रेट है, जो चैटजीपीटी का नया एआई टूल है।' चुन्नी बाबू ने अपनी ज्ञान की पोटली खोली।

'अच्छा! मतलब विज्ञान का तरक्की की ओर एक और कदम। यह हम इंसानों की किस तरह मदद करेगा?' हम चुन्नी बाबू के ज्ञान कुंड में गोता मारने की तैयारी में थे।

'यह इंसानों को कार्टून में बदल देता है।' चुन्नी बाबू के स्वर में उत्साह था।

हमने पूछा, 'आपने ट्राय किया?'

'हां किया और यही बताने के लिए तो सुबह से सात कॉल कर चुके हैं।'

हे भगवान! तो क्या अब चुन्नी बाबू की जगह उनके कार्टून से काम चलाना होगा और उनकी बीवी परम आदरणीय हमारी भाभी जी का क्या होगा? वो तो दिन भर में पचासियों बार उन्हें कार्टून घोषित करती रहती हैं। अब तो घोषित करने लायक कुछ रहा ही नहीं।

'मिलने पर हम आपको पहचान पाएंगे?' हमने अपनी शंका जाहिर की।

'हमें क्या हुआ है?' चुन्नी बाबू चौंक कर बोले।

हमने कहा, 'अरे! अभी तो आपने कहा कि आप घिबली के वश में आकर कार्टून बन गए हैं।'

चुन्नी बाबू हमारी नादानी पर खुल कर हंसते हुए बोले, 'अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। चलिए बहुत हुआ अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा।' कह कर चुन्नी बाबू ने फोन काट दिया।

हम सोच रहे थे कि तरक्की की होड़ में दौड़ते-हांफते कार्टून बन चुके इंसान की छवि को कार्टून बनाने में इतने पैसे खर्च क्यों किए? और कर भी दिए तो ये झुनझुना हमें क्यों थमा दिया? हमारे अपने झुनझुने कम थे क्या? अब बजाने के लिए यह झुनझुना मुफ्त में मिल ही गया है तो हम भी टूट पड़े उसे टूटने की हद तक बजाने के लिए।

बीते सप्ताह यह खबर भी आई कि ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने हाथ जोड़ कर इंसानों से विनती की है कि कार्टून बनने-बनाने की प्रक्रिया को धीमा करें ताकि उनके टूल्स लंबे समय तक प्रभावी रूप से इंसान की छवि को कार्टून बनाते रहें। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

विशेषः हनुमान जन्मोत्सव, 12 अप्रैल

धार्मिक स्थल / शिखर चंद जैन

वैसे तो रामभक्त हनुमानजी के अनेक मंदिर अपने देश में स्थित हैं। अपने देश के अलावा विदेशों में भी हनुमानजी के कई प्रतिष्ठित और अनूठे मंदिर हैं। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हम आपको देश-विदेश के कुछ अनूठे हनुमान मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

देश-विदेश में स्थित
हनुमान जी के अनूठे मंदिर

दत्तात्रेय मंदिर प्रांगण, त्रिनिडाड-टोबैगो

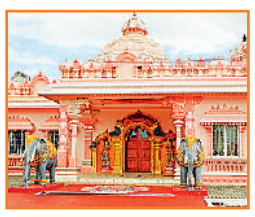

त्रिनिडाड-टोबैगो देश के कारापीचैमा/करापीचाइमा नामक स्थान में स्थित दत्तात्रेय मंदिर 9 जून 2003 को खोला गया था। इस मंदिर में हनुमान जी की 85 फीट ऊंची मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। साथ ही मूर्ति के आधार स्थल पर एक छोटा हनुमान मंदिर, दत्तात्रेय और अनघा देवी की प्रतिमाएं, राज राजेश्वरी, गणपति की प्रतिमा और शिव लिंग की भी स्थापना की गई है। भारत के बाहर मौजूद हनुमान जी की यह सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। दक्षिण भारत की द्रविड़ वास्तुकला शैली में इस हनुमान प्रतिमा का निर्माण किया गया है। मुख्य मंदिर में प्रवेश करने से पहले भक्तों के पैर धोने के लिए कंक्रीट से निर्मित हाथी की दो विशाल प्रतिमाओं से पानी उपलब्ध कराया जाता है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक गुंबद है, जिसमें सात अलग-अलग रंगों में विभिन्न प्रकार के वाद्ययंत्र बजाते हुए संगीतकारों की प्रतिमाएं मौजूद हैं। *

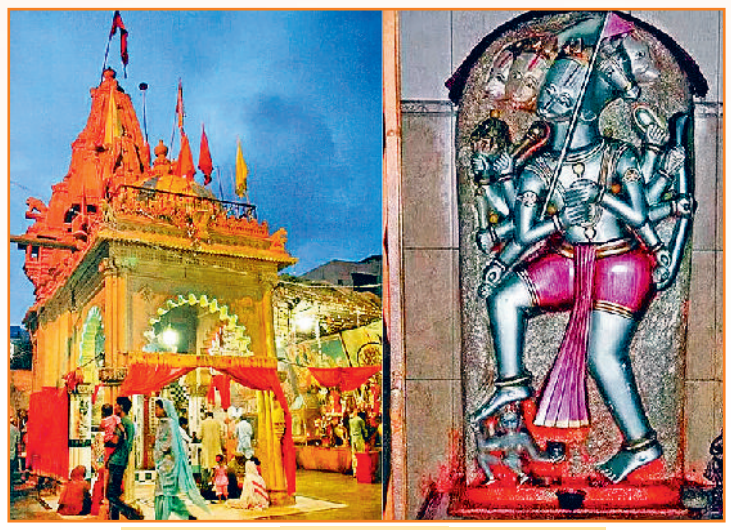

पंचमुखी हनुमान मंदिर, पाकिस्तान

आपको जानकर अचरज हो सकता है कि पाकिस्तान के कराची में स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर दुनिया के सबसे पुराने हनुमान मंदिरों में से एक माना जाता है। बताया जाता है कि यह मंदिर लगभग 1500 साल पुराना है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वनवास के दौरान भगवान राम उस स्थान पर आए थे, जहां यह मंदिर बना हुआ है। सदियों पहले खुदाई में यहां हनुमान जी की मूर्ति मिली थी। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां यह मूर्ति दैवीय शक्ति से प्रकट हुई थी। इसलिए यहां भव्य मंदिर बना दिया गया। साल 2019 में यहां हनुमान जी की 9 अन्य मूर्तियां प्राप्त हुई थीं। इस मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं में जिज्ञासा और आस्था बढ़ती ही जा रही है। पंचमुखी हनुमान मंदिर को पाकिस्तान में राष्ट्रीय विरासत का दर्जा भी मिला हुआ है। *

श्री आंजनेय मंदिर, मलेशिया

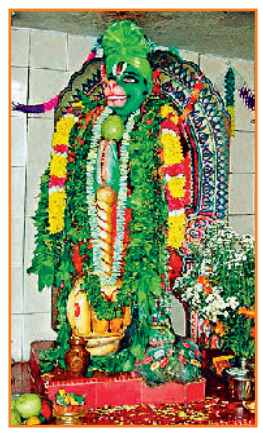

यह मंदिर मलेशिया के पोर्ट डिक्सन में स्थित है। अपने साथ जुड़ी रहस्यमयी कहानियों के कारण आंजनेय मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। ऐसा माना जाता है कि मंदिर में रखी हनुमान प्रतिमा ने खुद ही अपना चेहरा रामेश्वरम मंदिर (भारत देश में स्थित) की ओर मोड़ लिया था। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1996 में एक विदेशी फोटोग्राफर आंजनेय मंदिर की तस्वीरें क्लिक कर रहा था। जब वह कुछ और तस्वीरें क्लिक करने के लिए वापस लौटा तो उसने हनुमान जी की मूर्ति के शीष की दिशा में बदलाव देखा। यह देखकर वह अचरज में पड़ गया। उसने वहां उपस्थित लोगों से यह बात कही और तस्वीरें दिखाईं, तो सभी लोग इस चमत्कार से दंग रह गए। ध्यातव्य है कि रामेश्वरम भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक है और इनकी स्थापना भगवान श्रीराम के द्वारा की गई मानी जाती है। *

जाखू मंदिर, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के जाखू में 8100 फीट की ऊंचाई पर मौजूद यह अत्यंत प्राचीन और जाग्रत हनुमान मंदिर, रामायण काल का बताया जाता है। इस मंदिर में 108 फीट ऊंची हनुमानजी की मूर्ति है। इस मंदिर और हनुमानजी की यह विशेष प्रतिमा देखने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। मान्यता है कि रावण के साथ युद्ध के दौरान जब लक्ष्मणजी मूर्छित हो गए थे और हनुमानजी उनके लिए संजीवनी बूटी लेने जा रहे थे, तभी उनकी नजर यहां तप कर रहे एक यक्ष ऋषि पर पड़ी। हनुमानजी जरा क्लांत और संशय में थे। संजीवनी बूटी की सही जानकारी हासिल करने के लिए वे यहां कुछ समय के लिए ठहरे थे। यक्ष ऋषि के नाम पर ही अपभ्रंश होता हुआ, इस मंदिर का नाम जाखू मंदिर पड़ गया। *

बाला हनुमान मंदिर, गुजरात

बाला हनुमान मंदिर, जिसे श्री बालहनुमान संकीर्तन मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, गुजरात के जामनगर में रणमल झील (लखोटा झील) के दक्षिण पूर्व में स्थित है। इस मंदिर में भगवान राम, सीताजी, लक्ष्मणजी और हनुमानजी की मूर्तियां हैं। 1 अगस्त, 1964 से मंदिर परिसर में दिन-रात राम धुन 'श्री राम, जय राम, जय जय राम' का जाप होता रहता है। इस चौबीसों घंटे चलने वाले अनुष्ठान को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। स्थानीय लोगों की मंदिर में गहरी आस्था है और उनका मानना है कि यह मंदिर उन्हें प्राकृतिक आपदाओं और जीवन के अन्य संकटों से बचाता है। *

भगवान श्रीराम का अवतारी जीवन हमें मर्यादा, आदर्श और नीति का पाठ तो पढ़ाता ही है। इसके साथ ही साथ कॉर्पोरेट क्षेत्र से जुड़े आज के दौर के युवा भी श्रीराम से सात ऐसे गुण सीख सकते हैं, जो उन्हें मनचाही सफलता दिला सकते हैं।

भगवान राम से सीखें
कॉर्पोरेट सफलता के सूत्र

प्रेरणा

लोकमित्र गौतम

भगवान राम न सिर्फ मर्यादा पुरुषोत्तम और नैतिक मूल्यों के प्रतीक हैं बल्कि उनके व्यक्तित्व में प्रबंधन के ऐसे गुण भी मौजूद हैं, जिन्हें सीखकर कोई भी युवा कॉर्पोरेट क्षेत्र में शानदार सफलता हासिल कर सकता है। ऐसे सात सूत्रों के बारे में हर युवा को जानना चाहिए।

नेतृत्व का गुणः भगवान राम न सिर्फ शक्तिवान हैं बल्कि वह एक समर्थ सेनापति और टीम लीडर भी हैं। राम-रावण युद्ध के नजरिए से देखें तो रावण के पास अपार सेना और युद्ध के सारे संसाधन थे, लेकिन जिस तरह भगवान राम अपनी थोड़ी सी भालू, बंदरों की सेना को उच्चस्तरीय प्रबंधन करते हुए रावण की विशाल सेना को हरा देते हैं, उनमें नेतृत्व क्षमता को साबित करता है। कॉर्पोरेट जगत में युवा अपनी टीम को स्पष्ट दृष्टि देने के लिए भगवान राम से यह गुण सीख सकते हैं। किस तरह अपनी टीम को प्रेरित किया जाए और कैसी विस्तृत रणनीति से सफलता सौ फीसदी हासिल की जाए?

कार्य विभाजनः रावण से युद्ध के पहले श्रीराम जानते थे कि उनके पास छोटी-सी सेना है। इसलिए उन्होंने सैनिकों में इस तरह काम का विभाजन किया कि सफलता हासिल हो। उन्होंने लक्ष्मण, हनुमान, सुग्रीव और विभीषण को उनकी क्षमता के मुताबिक जिम्मेदारियां सौंपीं। कॉर्पोरेट टीम लीडरशिप के लिए अपने साथियों की अधिकतम क्षमताओं का प्रयोग करने के लिए कार्य विभाजन हर हाल में आना चाहिए।

रणनीति प्रबंधनः कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के लिए मजबूत नेटवर्किंग और सही साझेदारों की पहचान बहुत जरूरी होती है। आज के युवा सफलता का यह जरूरी गुण भगवान राम से सीख सकते हैं। भगवान राम ने हमेशा सही लोगों से मजबूत और विश्वसनीय संबंध बनाए। उन्होंने रावण से युद्ध के लिए सुग्रीव, हनुमान और विभीषण जैसे सहयोगियों की न केवल मदद ली बल्कि उस मदद को अधिकतम उपयोगी बनाने के लिए सटीक तौर पर रणनीतिक प्रबंधन का सहारा लिया।

धैर्य और आत्मविश्वासः जीवन का कोई भी क्षेत्र हो, सफलता के लिए धैर्य और आत्मविश्वास जरूरी है। खासकर जो आज के युवा स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं, उन्हें जिस तरह की बाजार प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ता है, उसमें धैर्य और आत्मविश्वास की महती जरूरत होती है। जिस तरह भगवान राम ने कभी भी धैर्य और आत्मविश्वास का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने अपने जीवन में कोई भी निर्णय जल्दबाजी में नहीं लिया। हर कदम को उठाने के पहले धैर्य से काम लिया। लंका पर भी आनन-फानन में हमला नहीं किया। रावण के हर कदम को अच्छी तरह से समझने के बाद ही उन्होंने युद्ध का ऐलान किया। आज के स्टार्टअप्स कल्चर में भी धैर्य और आत्मविश्वास की बहुत जरूरत पड़ती है।

अनुशासनः अनुशासन एक ऐसा गुण है, जो करियर में सफलता की चाह रखने वाले युवाओं में अनिवार्य रूप से होना चाहिए। जैसे भगवान राम ने 14 साल के वनवास को पूरे अनुशासन के साथ पूरा किया। युवाओं को भी भगवान राम की तरह ही अपने कर्म के प्रति अनुशासित रहना चाहिए।

समस्या समाधान की क्षमताः कोई भी कॉर्पोरेट दिग्गज अपने फील्ड में तभी सफलता हासिल कर पाता है, जब उसके पास यूनिक आइडियाज और स्मार्ट प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल हो। युवा, भगवान राम से इनोवेशन की महत्ता और समस्या के समाधान की विशिष्टता सीख सकते हैं।

नैतिकता और ईमानदारीः जमाना कोई भी हो, क्षेत्र कोई भी हो, बिना नैतिकता और ईमानदारी के किसी भी क्षेत्र में सफलता नहीं मिलती। कॉर्पोरेट क्षेत्र में सफलता के लिए युवाओं को इस मामले में भी भगवान राम से एक बड़ी सीख मिलती है, वह यह कि सफलता के लिए कभी भी अनैतिक और गैरईमानदार नहीं होना चाहिए। भगवान राम ने सदैव धर्म का पालन किया, ईमानदारी का मार्ग अपनाया इसलिए कभी भी वह सफलता से वंचित नहीं रहे। *

आप अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को मेंटेन करने के लिए तो कई एफर्ट करते हैं। लेकिन क्या अपनी सोशल हेल्थ पर भी पूरा ध्यान देते हैं? कैसे रहें सोशली हेल्दी, जानिए।

इन रूल्स को करें फॉलो
आप रहेंगे सोशली हेल्दी

लाइफस्टाइल

अंजू जैन

बहुत कम लोगों को पता है कि तन और मन के स्वास्थ्य के लिए सामाजिक, पारिवारिक रिश्ते और संपर्क बनाए रखना जरूरी होता है। ऐसा न करने से लोग हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हार्ट डिजीज, स्ट्रेस और डिप्रेशन जैसी बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं।

क्या है सोशल हेल्थः हमारा सोशल सर्किल कैसा है, हमें मुसीबत में देखकर कितने लोग मदद का हाथ बढ़ाते हैं, दुःख-सुख में हमारे पास बैठकर बातें करने वाले कितने लोग हमारे संपर्क में हैं, हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा और लोगों के साथ बॉन्डिंग कैसी है? यह सब निर्भर करता है, हमारी सोशल हेल्थ पर। सामाजिक स्वास्थ्य को दूसरों के साथ बातचीत करने और रिलेशन बनाने की क्षमता के रूप में डिफाइन किया जा सकता है।

सोशल हेल्थ का महत्वः सोशल हेल्थ का अच्छा स्तर बनाए रखने से आप दूसरों के साथ अच्छे संबंध बना सकते हैं। इन रिश्तों में दोस्ती, पारिवारिक और प्रोफेशनल रिश्ते शामिल हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि वीक सोशल हेल्थ वाले लोगों में स्ट्रोक का खतरा 32%, मेंटल प्रॉब्लम्स का खतरा 50% और समय से पहले मृत्यु का खतरा 29% बढ़ जाता है। बीते कुछ सालों में विभिन्न अध्ययनों से पता चलता है कि सामाजिक संबंधों की गुणवत्ता और इनके लेवल दोनों का हमारे जीवन पर टेंपररी और परमानेंट प्रभाव पड़ता है।

सोशली हेल्दी होने के लक्षणः अगर आप मधुर, प्रभावी ढंग से बातचीत करते हैं, अपने सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन को संतुलित रखते हैं, वर्क प्लेस, सोसाइटी और अपने परिवार में लोगों के साथ जुड़े रहते हैं, सामाजिक परिस्थितियों में खुद को इंवॉल्व कर लेते हैं, दूसरों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करते हैं, मित्रता और सोशल नेटवर्क विकसित करने और बनाए रखने में सक्षम हैं तो इसका अर्थ होगा कि आप सोशली हेल्दी हैं।

ऐसे रहेंगे सोशली हेल्दीः सोशली हेल्दी रहने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

- टॉक्सिक रिलेशंस से बचें क्योंकि कोई रिलेशन जब टॉक्सिक हो जाता है तो वह कभी भी आपकी आर्थिक, मानसिक या शारीरिक सेहत के लिए सही नहीं होगा।
- अपना सोशल नेटवर्क बढ़ाने, लोगों के साथ बॉन्डिंग बढ़ाने के लिए धार्मिक और सामाजिक समूह का हिस्सा बन सकते हैं। इससे आप लोगों से जुड़ते हैं। ये संबंध आपके सामाजिक स्वास्थ्य में योगदान देते हैं।
- अपने रिश्तों को पोषित करने के लिए, दोस्ती को बनाए रखने के लिए हमेशा प्रयास करते रहें। यह आपके सामाजिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत अच्छा है। रिश्ते को मधुर बनाने के लिए दोनों तरफ से प्रयास की जरूरत होती है।

- अच्छी सोशल हेल्थ के लिए दूसरों में कमियां न निकालें, उनकी आलोचना न करें। एक समझदार व्यक्ति की तरह स्वीकार करें कि हर किसी को अपना जीवन अपने मन से अलग तरीके से जीने का अधिकार है। आपको यह भी मानना चाहिए कि आप हमेशा सही नहीं होते, इसलिए ऐसा व्यवहार न करें जैसे आप ही सही हैं।
- किसी से कोई मतभेद हो या समस्या हो तो बिना क्रोध या दोषारोपण के किसी समस्या के बारे में बात करें। यह सम्मानजनक संबंध बनाए रखने में मदद करता है, जो आपके सामाजिक स्वास्थ्य में योगदान देता है।
- दुनिया में हर कोई महत्वपूर्ण महसूस करना चाहता है। इसलिए अपने मित्रों, सहयोगियों और परिवार के सदस्यों की सराहना करने में कंजूसी न करें। इससे आपका सामाजिक स्वास्थ्य मजबूत होगा।
- हर कोई चाहता है कि उसकी बात ध्यान से सुनी जाए। इसलिए किसी को इग्नोर न करें, ध्यान से दूसरों की बातों को सुनें। उचित हो तभी प्रतिक्रिया दें। इन बातों का ध्यान रखने से आपकी सोशल हेल्थ अच्छी रहेगी। *

(मनोविज्ञानी डॉ. रूपा तालुकदार से बातचीत पर आधारित)

खास मुलाकात

आरती सक्सेना

ईद के मौके पर दर्शकों को सलमान खान की नई फिल्म का इंतजार रहता है। इस बार भी उन्होंने अपने फैंस को निराश नहीं किया। दर्शकों को ईद का तोहफा फिल्म 'सिकंदर' के रूप में मिला। एक खास मुलाकात में इस फिल्म के एक्सपीरियंस, इसके बिजनेस को लेकर सलमान खान ने खुलकर बातचीत की। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर मैं ज्यादा नहीं सोचता : सलमान खान

सलमान खान बॉलीवुड के उन चुनिंदा एक्टरों में से एक हैं, जो लगभग साढ़े तीन दशक से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर राज कर रहे हैं। बीते 30 मार्च को ईद के अवसर पर उनकी नई फिल्म 'सिकंदर' रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके अपोजिट हैं, साउथ की स्टार 'नेशनल क्रश' कही जाने वालीं रश्मिका मंदाना। फिल्म को डायरेक्ट किया है फिल्म 'गजनी' फेम डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदॉस ने। फिल्म 'सिकंदर' को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें, तो इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह फिल्म वर्ल्ड वाइड एक सौ सत्तर करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी है और अभी भी दर्शकों में इसे देखने को लेकर क्रेज बना हुआ है। इस फिल्म से जुड़े कुछ सवालों के जवाब सलमान खान ने दिए इस बातचीत में।

आपकी फिल्म 'सिकंदर' हाल में ईद पर रिलीज हुई है। इससे पहले भी आपकी कई फिल्में ईद के मौके पर रिलीज होती रही हैं। ईद पर ही फिल्म रिलीज करने की कोई खास वजह?

ईद पर फिल्म रिलीज करने के पीछे एक वजह तो यह है कि इस दिन लोगों की छुट्टी होती है और दर्शक थिएटर तक फिल्म देखने आ सकते हैं। दूसरी वजह है कि त्योहार का खुशनुमा माहौल और पॉजिटिव वाइब्स फिल्म के लिए फायदेमंद साबित होती हैं। मुझे त्योहार मनाना अच्छा लगता है फिर चाहे वह ईद हो या दिवाली। इसी दौरान अगर मेरी फिल्म रिलीज होती है तो और अच्छा लगता है।

फिल्म 'सिकंदर' के एक सीन में सलमान खान

फिल्म के डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदॉस के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

बहुत ही अच्छा! उनका काम करने का तरीका बहुत यूनिक है। मैं उनके काम से बहुत प्रभावित हूं। फिल्म देखकर आपको पता चलेगा कि 'सिकंदर' के लिए उन्होंने कितनी मेहनत की है। इससे पहले भी उन्होंने जो फिल्में बनाई हैं, उसमें उनका काम बोलता है। फिर चाहे वह आमिर खान की फिल्म 'गजनी' हो या उनकी डायरेक्टेड साउथ की फिल्में हों।

'सिकंदर' में रश्मिका मंदाना के साथ रोमांटिक जोड़ी बनाने को लेकर, उम्र के फर्क को लेकर आप पर बहुत कमेंट किए गए। इस पर आप क्या कहना चाहेंगे?

हां, मैंने भी लोगों से सुना है कि रश्मिका मुझसे आधी उम्र की है, मुझे उसके साथ जोड़ी नहीं बनानी चाहिए थी, हमारी जोड़ी उम्र के गैप की वजह से सही नहीं लग रही है। ऐसे लोगों के लिए मैं यही कहना चाहूंगा कि जब हीरोइन को मेरे साथ जोड़ी बनाने में कोई फर्क नहीं पड़ता, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, तो हमारी जोड़ी से लोगों को क्या प्रॉब्लम है? हमारी जोड़ी फिल्म के लिए है, फिल्म की कहानी के हिसाब से है। अच्छी है या बुरी है, यह तो दर्शक तय करेंगे न।

'सिकंदर' को रिलीज हुए एक सप्ताह ही हुआ है और फिल्म ने वर्ल्ड वाइड एक सौ सत्तर करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐसे में आपको इस फिल्म से आगे क्या उम्मीदें हैं?

हर कलाकार चाहता है कि उसकी फिल्म अच्छा बिजनेस करे। वैसे बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर मैं ज्यादा सोचता नहीं हूं। मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान देता हूं और एक बार काम खत्म हो गया, तो सारी टेंशन छोड़ देता हूं। वैसे पर्सनली मैं अगर बात करूं, तो फिल्म अच्छी बनी है। मेरे पिताजी ने भी फिल्म देखी है। उन्होंने भी 'सिकंदर' की तारीफ की है। उन्हें भी फिल्म अच्छी लगी है।

'सिकंदर' की रिलीज के तीन दिन पहले मोहनलाल की 'एल2 एंपुरान' रिलीज हुई थी और अब सनी देओल की फिल्म 'जाट' रिलीज होने वाली है। इन फिल्मों की वजह से 'सिकंदर' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर क्या कोई इफेक्ट पड़ेगा?

'एल2 एंपुरान' को पृथ्वीराज सुकुमारन ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म के एक्टर मोहनलाल सर को एक अभिनेता के तौर पर मैं बहुत पसंद करता हूं। मुझे पक्का यकीन है कि यह एक बेहतरीन फिल्म होगी। जहां तक 'जाट' का सवाल है तो वह सनी प्राजी की फिल्म है। मोहनलाल और सनी देओल दोनों से ही से मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं। आपस में कैसा टकराव? मैं तो चाहता हूं कि हम सभी की फिल्में अच्छी चलें। हम सभी अपना काम ईमानदारी से कर रहे हैं। तो उसका अच्छा फल ही मिलेगा। *

मेरे पिता हैं रियल लाइफ सिकंदर

इस फिल्म में तो सलमान खान सिकंदर का रोल निभा रहे हैं। लेकिन रियल लाइफ सिकंदर वे किसे मानते हैं? इसके जवाब में सलमान कहते हैं, 'मेरे जीवन में सिकंदर तो एक ही हैं और वह हैं- मेरे पिता सलीम खान। वह आज जो भी हैं, अपने दम पर हैं। मेरे वालिद (पिता) का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था। उनको कुछ भी नहीं मालूम था कि ग्लैमर वर्ल्ड में अपने आपको कैसे स्थापित करना है। अपने टैलेंट और अपनी मेहनत के बल पर उन्होंने इंडस्ट्री में अपना एक अलग मुकाम बनाया। उन्होंने सिर्फ अपने आपको ही नहीं हमारे पूरे परिवार को अपने अकेले दम पर संभाला और सभी को एक मुकम्मल मुकाम दिया। इसलिए मेरी नजर में असली सिकंदर वही हैं।